वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन
2021-22

।पशुधनं नित्यं सर्वलोकोपकारकम्।

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय

बिजेय भवन पैलेस कॉम्पलेक्स, पंडित दीनदयाल सर्किल के पास
बीकानेर-334 001 (राज.)
website : www.rajuvas.org

वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन
2021-2022

।पशुधनं नित्यं सर्वलोकोपकारकम्।

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय

बिजेय भवन पैलेस कॉम्पलेक्स, पंडित दीनदयाल सर्किल के पास
बीकानेर-334 001 (राज.)
website : www.rajuvas.org

।पशुधनं नित्यं सर्वलोकोपकारकम्।

सम्पादक मण्डल

संरक्षक
प्रो. (डॉ.) सतीश कुमार गर्ग
कुलपति

मुख्य सम्पादक
प्रो.(डॉ.) अंजु चाहर
निदेशक, पी. एम. ई.

सलाहकार मंडल

Jh vthr flg
कुलसचिव

Jh irki flg ifu;k
वित्तनियंत्रक

ik- vkj-d- flg
संकाय अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता, सी.वी.ए.एस., बीकानेर

ik- lthrk 'kek
अधिष्ठाता, पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर

ik- jktho tk'kh
अधिष्ठाता, सी.वी.ए.एस., नवानियाँ, वल्लभनगर

ik- ,l-lh- xkLokeh
अधिष्ठाता, छात्र कल्याण

ik- ,-ih- flg
अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर शिक्षा

ik- geUr nk/khp
निदेशक, अनुसंधान

ik- vkj-d- /kfM;k
निदेशक, प्रसार शिक्षा

ik- vt; pkgj
निदेशक, पी.एम.ई

ik- t- ,l- egrk
निदेशक, क्लिनिक्स

ik- ch- ,u- Jxh
निदेशक, मानव संसाधन विकास

bft- ih-,e- feÙky
निदेशक, कार्य

ik- mfelyk iku
परीक्षा नियंत्रक

Mk- v'kkd Mkxh
प्रभारी, आई.यू.एम.एस

idk'kd
प्राथमिकता, नियंत्रण एवं मूल्यांकन निदेशालय
राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय
बीकानेर, राजस्थान–334 001
ईमेलः dpmerajuvas@gmail.com

मुद्रक : जवाहर प्रेस, बीकानेर # 9784911114

प्रस्तावना

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर की स्थापना 13 मई 2010 को हुई। अपनी स्थापना के प्रथम दशक में ही विश्वविद्यालय ने शिक्षण, अनुसंधान और प्रसार के क्षेत्र में कई नए आयाम स्थापित करके न केवल राज्य में अपितु देश में भी अपनी विशिष्ठ पहचान बनाई है।

वेटरनरी विश्वविद्यालय के तीन संघटक महाविद्यालय बीकानेर, नवानियाँ (उदयपुर) एवं पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर में स्थित है। विश्वविद्यालय के तीनो संघटक महाविद्यालय भारतीय पशुचिकित्सा परिषद की प्रथम अनुसूचि में शामिल हैं। इन तीनों महाविद्यालयों में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्या–वाचस्पति पाठ्यक्रम चलाये जा रहे हैं। वेटरनरी विश्वविद्यालय के दो नये संघटक महाविद्यालय जोधपुर और नांवा (नागौर) में राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत किये गये है। इसके अतिरिक्त वेटरनरी विश्वविद्यालय के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रम हेतु बीकानेर परिसर में डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय और बस्सी, जयपुर में डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय शैक्षणिक सत्र 2021–22 से संघटक महाविद्यालय के रूप प्रारंभ हो गये है। विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक पाठ्यक्रम हेतु चार निजी पशुचिकित्सा महाविद्यालयो को भी संबद्धता दी गई है एवं विश्वविद्यालय के सात संघटक एवं 74 संबद्ध संस्थानों में दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाया जा रहा है।

इस वर्ष विश्वविद्यालय का चतुर्थ दीक्षांत समारोह राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित किया गया था। जिसमें छात्र–छात्राओं को उपाधियों तथा स्वर्ण पदक से अलंकृत किया गया। विश्वविद्यालय ने तमाम गतिविधियों को ई–गर्वनेंस के तहत लाकर प्रवेश, भर्ती और उत्तरपुस्तिका की जाँच की प्रक्रिया को ऑनलाइन किया है।

विश्वविद्यालय में नौ पशुधन अनुसंधान केंद्र राज्य के बीकानेर, बीछवाल (बीकानेर), कोडमदेसर (बीकानेर), चांदन (जैसलमेर), नोहर (हनुमानगढ), नवानियां, (उदयपुर), बोजुंदा (चित्तौड़गढ़), डग (झालावाड़) एवं सरमथुरा (धौलपुर) में स्थापित हैं। इनमें स्वदेशी गौवंश की छः नस्लें राठी, साहीवाल, कांकरेज, थारपारकर, मालवी और गिर के अतिरिक्त भेड़, बकरी और भैंसों की नस्लों के उन्नयन पर शोध कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में गैर पारंपरिक क्षेत्रों में अनुसंधान हेतु राज्य सरकार के सहयोग से दस उन्नत अनुसंधान केंद्र भी बीकानेर में स्थापित हैं। राष्ट्रीय कृषि विकास की सात परियोजनाऐं एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वित्त पोषित छः परियोजनाए चल रही हैं।

विश्वविद्यालय द्वारा पशुपालकों तक नवीनतम शोध की जानकारी पहुंचाने हेतु राज्य के 16 जिलों में पशु विज्ञान केन्द्र स्वीकृत है। जिसमें से 14 जिलों में पशु विज्ञान केन्द्र संचालित है, तथा दो नए पशु विज्ञान केन्द्र निर्माणाधीन है। एक मात्र कृषि विज्ञान केन्द्र, नोहर (हनुमानगढ़) में स्थापित है। पशु विज्ञान केन्द्रों के द्वारा 1044 पशुपालक प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर 35319 पशुपालकों को लाभांवित किया गया। 24 दिसंबर, 2021 को विश्वविद्यालय परिसर में किसान और पशुपालक मेले का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के द्वारा राज्य के पशुपालकों और किसानों को समर्पित "राजुवास ई–पशुपालक चौपाल" प्रत्येक माह के द्वितीय व चतुर्थ बुधवार, ''धीणें री बात्यां'' रेडियो कार्यक्रम का प्रसारण राज्य के सभी 17 आकाशवाणी केन्द्रों से प्रत्येक माह के तृतीय गुरूवार, पशु विज्ञान केन्द्रों द्वारा पशुपालकों के लिए व्हाट्सएप समूह एवं वेटरनरी विश्वविद्यालय की टोल–फ्री हैल्पलाइन जैसी सेवाएं भी चलाई जा रही है।

वेटरनरी विश्वविद्यालय में वर्चुअल क्लासरूम एवं एग्री दीक्षा वेब एजूकेशन चैनल का लोकार्पण किया गया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा व इण्डियन एग्रीकल्चर स्टेटिक्स रिसर्च इंस्टीट्यूट की केन्द्रीयकृत परियोजना के अन्तर्गत देश के श्रेष्ठ चुनिंदा विश्वविद्यालयों में वेटरनरी विश्वविद्यालय बीकानेर को भी शामिल किया गया है। विश्वविद्यालय को स्वच्छता एक्शन प्लान के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य के लिए 'जिला ग्रीन चैंपियन पुरस्कार' इस वर्ष प्रदान किया गया।

वेटरनरी विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2021 में छः संस्थानों से आपसी सहयोग और साझा अनुसंधान के लिए आपसी करार (एम.ओ.यू.) किए गये। वेटरनरी विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान जयपुर स्थित उन्नत दुग्ध परीक्षण व अनुसंधान प्रयोगशाला को परीक्षण उपयुक्तता एवं गुणवता प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यापन बोर्ड (एन.ए.बी.एल.) नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्रदत की गई है। इस वर्ष वेटरनरी विश्वविद्यालय द्वारा दो अर्न्तराष्ट्रीय वेबिनार, नौ राष्ट्रीय वेबिनार, तीन कार्यशाला और एक अर्न्तराष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय शिक्षण, शोध व प्रसार के क्षेत्र में सर्वोत्तम कार्य कर प्रदेश के विकास में सहयोग को कटिबद्ध है। राज्य सरकार के सम्पूर्ण सहयोग एवं योगदान के लिये बहुत–बहुत धन्यवाद सहित।

प्रो. सतीश कुमार गर्ग
कुलपति

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर

प्रशासनिक कार्यालय

1. कुलपति सचिवालय
2. कुलसचिव कार्यालय
3. वित्त नियंत्रक कार्यालय
4. अनुसंधान निदेशालय
5. प्रसार शिक्षा निदेशालय
6. अधिष्ठाता छात्र कल्याण
7. अधिष्ठाता स्नातकोत्तर शिक्षा
8. निदेशालय मानव संसाधन विकास
9. निदेशालय प्राथमिकता, निगरानी और मूल्यांकन
10. निदेशक क्लिनिक
11. निदेशक कार्य (भू-सम्पदा)
12. परीक्षा नियंत्रक
13. केन्द्रीय पुस्तकालय
14. जनसम्पर्क प्रकोष्ठ
15. आई.यू.एम.एस.प्रकोष्ठ
16. पूल ऑफिस
17. प्लेसमेंट सैल
18. आई.पी.आर. सैल
19. यूनिवर्सिटी लैण्डस्कैप एण्ड ब्युटिफिकेशन सैल
20. सोशल डवलपमेंट एण्ड पार्टिसिपेशन सैल

पशुचिकित्सा शिक्षण संस्थान

संघटक वेटरनरी महाविद्यालय

1. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर
2. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय नवानियाँ (उदयपुर)
3. स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, जयपुर
4. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, जोधपुर (स्वीकृत)
5. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नावां, नागौर (स्वीकृत)

ड्येरी विज्ञान एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय

1. ड्येरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बीकानेर
2. ड्येरी विज्ञान एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जयपुर

पशुपालन डिप्लोमा संस्थान

1. पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, बीकानेर
2. पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, नवानियाँ (उदयपुर)
3. पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, जयपुर
4. पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, चान्दन (जैसलमेर)
5. पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, नोहर (हनुमानगढ़)
6. पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, बोजुन्दा (चितौड़गढ़)
7. पशुपालन डिप्लोमा संस्थान,डग, (झालावाड़)

पशुधन अनुसंधान केन्द्र

1. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर
2. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, बीछवाल (बीकानेर)
3. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, कोडमदेसर (बीकानेर)
4. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, नोहर (हनुमानगढ़)
5. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, चांदन (जैसलमेर)
6. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, वल्लभनगर (उदयपुर)
7. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, बोजुन्दा (चितौड़गढ़)
8. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, डग (झालावाड़)
9. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, सरमथुरा (धौलपुर)

प्रसार शिक्षा केन्द्र

पशु विज्ञान केन्द्र

1. पशु विज्ञान केन्द्र, नागौर
2. पशु विज्ञान केन्द्र, जोधपुर
3. पशु विज्ञान केन्द्र, टोंक
4. पशु विज्ञान केन्द्र, भरतपुर
5. पशु विज्ञान केन्द्र, चूरू
6. पशु विज्ञान केन्द्र, कोटा
7. पशु विज्ञान केन्द्र, सिरोही
8. पशु विज्ञान केन्द्र, डूंगरपुर
9. पशु विज्ञान केन्द्र, झुंझुनू
10. पशु विज्ञान केन्द्र, धौलपुर
11. पशु विज्ञान केन्द्र, श्रीगंगानगर
12. पशु विज्ञान केन्द्र, बीकानेर
13. पशु विज्ञान केन्द्र, चितौड़गढ़
14. पशु विज्ञान केन्द्र, जालौर
15. पशु विज्ञान केन्द्र, झालावाड़
16. पशु विज्ञान केन्द्र, जोबनेर

कृषि विज्ञान केन्द्र

1. नोहर (हनुमानगढ़)

एडवांस्ड रिसर्च सेन्टर

1. पारम्परिक पशुचिकित्सा पद्धति एवं वैकल्पिक औषधि विज्ञान केन्द्र, बीकानेर
2. वन्य जीव प्रबंधन एवं स्वास्थ्य अध्ययन केन्द्र, बीकानेर
3. पशुधन चारा संसाधन, प्रबंधन एवं तकनीक केन्द्र, बीकानेर
4. पशु आपदा प्रबंधन तकनीक केन्द्र, बीकानेर
5. पशु विज्ञान के लिये अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी केन्द्र, बीकानेर
6. पशु जैव चिकित्सा अपशिष्ट निस्तारण प्रौद्योगिकी केन्द्र, बीकानेर
7. पशु जैव विविधता संरक्षण केन्द्र, बीकानेर
8. टीकाकरण एवं जैविक उत्पाद अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर
9. जैविक पशु उत्पाद तकनीक केन्द्र, बीकानेर
10. पशु विज्ञान में अंतरिक्ष आधारित तकनीक केन्द्र, बीकानेर
11. सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स : दुग्ध गुणवत्ता एवं सुरक्षा, जयपुर
12. जूनोटिक रोग निदान एवं निगरानी केन्द्र, जयपुर
13. एपेक्स सेन्टर, बीकानेर

अनुक्रमणिका

1- lxBukRed <kpk 1&3

2- Lohd`r&dk;Zjr rFkk fjDr inksa dk fooj.k 4&8

2.1 शैक्षणिक पदों की श्रेणीवार स्थिति 4

2.2 अशैक्षणिक पदों की श्रेणीवार स्थिति 4

2.3 निजी सचिव एवं मंत्रालयिक पदों की श्रेणीवार स्थिति 5

2.4 अन्य शिक्षक एवं तकनीकी कर्मचारी पदों की श्रेणीवार स्थिति 5–6

2.5 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी पदों की श्रेणीवार स्थिति 7–8

3- foHkkxh; izeq[k dk;Z rFkk izR;sd izeq[k dk;Z ds fo:) vkykP; o"kZ

esa izxfr ,oa mldh foxr 3 o"kksZa ls rqyuk 9&27

3-1 vdknfed dk;ZØe 9&16

3.1.1 स्नातक पाठ्यक्रम (बी.वी.एससी. एण्ड ए.एच.) 10

3.1.2 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (एम.वी.एससी.) 11

3.1.3 विद्या–वाचस्पति / डाक्टरेट पाठ्यक्रम (पीएच.डी.) 13

3.1.4 पशुपालन में डिप्लोमा पाठ्यक्रम (ए.एच.डी.पी.) 14

3-2 vuqla/kku ifj;kstuk,a 17&20

3-3 izlkj f'k{kk dk;ZØe 21&24

4- vkykP; o"kZ esa fo'ks"k igy ,oa miyfC/k 25&27

5- lkj la{ksi 28&30

1. संगठनात्मक ढांचा

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय अधिनियम 2010 की धारा 1 उपखण्ड (3) के अन्तर्गत स्थापित हुआ। इस विश्वविद्यालय की स्थापना दिनांक 13 मई, 2010 को हुई। राजस्थान राज्य के माननीय राज्यपाल पदेन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हैं। कुलपति विश्वविद्यालय का प्रधान शैक्षणिक और कार्यपालक अधिकारी है।

अपनी स्थापना की अल्पावधि में ही विश्वविद्यालय ने प्रबंधन मण्डल, अकादमिक परिषद्, अनुसंधान परिषद् और प्रसार परिषद् आदि संवैधानिक निकायों का गठन किया। इन निकायों के गठन के साथ ही विश्वविद्यालय ने केन्द्रीय सलाहकार समिति, जनसम्पर्क प्रकोष्ठ और प्लेसमेंट प्रकोष्ठ का गठन किया। साथ ही विश्वविद्यालय ने अधिष्ठाता स्नातकोत्तर शिक्षा, परीक्षा नियंत्रक, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, निदेशक क्लिनिक, निदेशक प्रसार शिक्षा, निदेशक कार्य, निदेशक पी.एम.ई., निदेशक मानव संसाधन विकास आदि महत्वपूर्ण विभागों की स्थापना की और कुछ अन्य समितियां बनाई गई जिससे विश्वविद्यालय अधिनियम के अनुरूप समस्त कार्यों का क्रियान्वयन किया जा सके।

पशुपालन का राज्य की अर्थव्यवस्था में बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालयों में पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान और संबंधित विषयों के बारे में उचित और व्यवस्थित निर्देशन, शिक्षण–प्रशिक्षण, अनुसंधान और प्रसार शिक्षण करवाया जाता है। राजस्थान सरकार अध्यापन, शिक्षण अनुसंधान और प्रसार के प्रयासों को सुगठित कराने में विश्वविद्यालय की हमेशा सहायक रही है और विश्वविद्यालय को वृद्धि उन्मुख और प्रगतिशील बनाने में हर प्रकार से सहयोग करती है।

विश्वविद्यालय अपने तीन प्रमुख अंग–शिक्षा, अनुसंधान और प्रसार के निष्पादन के लिए समस्त सुविधाओं से सुसज्जित है। वर्तमान में विश्वविद्यालय के तीन संघटक महाविद्यालय बीकानेर, उदयपुर (नवानियाँ) और जयपुर में स्थित हैं। राज्य सरकार ने जोधपुर और नांवा (नागौर) में वेटरनरी विश्वविद्यालय के नए संघटक पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय की स्थापना की क्रियान्विति हेतु पद एवं बजट प्रावधान की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। जोधपुर का पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान महाविद्यालय निर्माणाधीन है।

वेटरनरी विश्वविद्यालय के अंतर्गत बीकानेर परिसर में डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय एवं बस्सी, जयपुर में डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2021–22 में छात्रों को प्रथम वर्ष में प्रवेश देकर यह महाविद्यालय प्रारम्भ किये गये।

i'kfpfdRlk ,o i'k foKku egkfo|ky;] chdkuj

राजस्थान में पशुचिकित्सा शिक्षा का प्रभावी और शानदार इतिहास रहा है। आजादी के बाद राज्य का पहला पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय बीकानेर में वर्ष 1954 में स्थापित किया गया। मुख्य कॉलेज भवन में प्रशासनिक कार्यालय और 18 स्वतंत्र विभाग हैं जिनमें सुसज्जित प्रयोगशालाएं तथा स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम शिक्षण और अनुसंधान के लिए आधुनिक सुविधाएं हैं। परिसर में पशुओं की विभिन्न इकाईयां, रोग नैदानिक सुविधाएं, पुस्तकालय, कैंटीन, व्यायामशाला, खेलकूद सुविधाएं और बैंक की शाखा भी है। छात्र तथा छात्राओं हेतु अपेक्षित छात्रावास सुविधा उपलब्ध है।

i'kfpfdRlk ,o i'k foKku egkfo|ky;] uokfu;k] mn;iqj

उदयपुर के नवानियां (वल्लभनगर) में राज्य के दूसरे वेटरनरी कॉलेज की स्थापना वर्ष 2007 में की गई। दक्षिणी राजस्थान में पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में कुशल विशेषज्ञता विकसित करना तथा जनजाति क्षेत्र के पशुपालकों की आवश्यकतानुसार अनुसंधान, प्रचार एवं प्रसार गतिविधियों को विकसित करना इस महाविद्यालय का प्रमुख उद्देश्य है। इस महाविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रम के साथ पशुचिकित्सा के विभिन्न विषयों में स्नातकोत्तर, पीएच.डी.एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी चल रहे हैं।

Lukrdksùkj i'kqfpfdRlk f'k{kk ,oa vuqla/kku laLFkku

राजस्थान के राष्ट्रीय राजमार्ग–21, आगरा रोड़, जामडोली, जयपुर में स्थित इस संस्थान की स्थापना वर्ष 2012 में हुई। वर्ष 2015–16 से इस संस्थान में स्नातक पाठ्यक्रम भी प्रारंभ कर दिये गये हैं। वर्तमान में यह संस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान के विभिन्न विषयों में स्नातकोत्तर एवं स्नातक डिग्री के साथ–साथ पशुपालन से सम्बन्धित डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी चला रहा है।

i'kqfpfdRlk ,oa i'kq foKku egkfo|ky;] tkèkiqj

वेटरनरी विश्वविद्यालय के चौथे संघटक वेटरनरी महाविद्यालय, जोधपुर का निर्माण कार्य प्रगति पर है। जिसके लिए राज्य सरकार द्वारा भूमि का आवंटन एवं पदों की स्वीकृति पूर्व में ही जारी की जा चुकी है। इस वर्ष राजस्थान के राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने राज्य स्तरीय ऑनलाइन समारोह में वेटरनरी विश्वविद्यालय के संघटक पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय जोधपुर के भवन की आधारशिला दिनांक 10 जुन 2021 को रखी एवं समारोह की अध्यक्षता मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत जी द्वारा की गई थी।

i'kqfpfdRlk ,oa i'kq foKku egkfo|ky;] ukoka ¼ukxkSj½

राज्य सरकार ने नांवा (नागौर) में वेटरनरी विश्वविद्यालय के पांचवे नए संघटक पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय की स्थापना हेतु पद एवं बजट प्रावधान की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। राज्य सरकार ने वर्ष 2021–22 के बजट घोषणा में नवीन पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय नांवा (नागौर) हेतु 29 शैक्षणिक एवं 12 अशैक्षणिक पदों हेतु वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है इसके साथ ही नवीन महाविद्यालय के भवन निर्माण, उपकरण, कैमिकल एवं ग्लासवेयर तथा कार्यलय व्यय हेतु कुल 22 करोड़ 68 लाख रूपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। भूमि का अधिग्रहण प्राप्त कर लिया गया हैं तथा डी. पी. आर तैयार की जा रही है।

Ms;jh ,oa [kk| foKku çkS|ksfxdh egkfo|ky;] chdkusj vkSj t;iqj

वेटरनरी विश्वविद्यालय अंतर्गत बीकानेर परिसर में डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय और बस्सी, जयपुर में डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय दो नये संघटक महाविद्यालय शैक्षणिक सत्र 2021–22 से प्रारंभ हो गये हैं। जैट परीक्षा के माध्यम से इन दोनों महाविद्यालयों में इस वर्ष प्रवेश किये गये हैं। डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बीकानेर में बी. टेक इन डेयरी टेक्नोलॉजी में 40 सीटे स्वीकृत हैं। इसी तरह बस्सी, जयपुर में भी बी.टेक. इन डेयरी टेक्नोलॉजी एवं बीटेक इन फूड़ टेक्नोलॉजी में 40–40 सीटें प्रवेश हेतु स्वीकृत हैं। इन दोनो महाविद्यालयो में प्रवेश उपरान्त शिक्षण कार्य प्रारम्भ हो चुका है।

विश्वविद्यालय सात संघटक एवं 74 सम्बद्ध संस्थानों के माध्यम से दो वर्षीय पशुपालन डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी चला रहा है, इन संस्थानों में प्रतिवर्ष लगभग 4750 पैरावेट के प्रशिक्षण की क्षमता है। ये संस्थान बीकानेर, अलवर, भरतपुर, चुरू, दौसा, डूँगरपुर, हनुमानगढ़, जयपुर, झुंझुनूं, जोधपुर, करौली, कोटा, बूंदी, श्रीगंगानगर, सीकर, टोंक, झालावाड़, जालौर, जैसलमेर, चितौड़गढ़, धौलपुर, बाड़मेर, बारां और उदयपुर आदि जिलों में स्थित हैं। पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर के अलावा नए पशुपालन डिप्लोमा संस्थान पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ (उदयपुर), स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र, जयपुर, पशुधन अनुसंधान केन्द्र, चांदन, (जैसलमेर), पशुधन अनुसंधान केन्द्र, नोहर (हनुमानगढ़), पशुधन अनुसंधान केन्द्र, बोजुन्दा (चतौडगढ़), पशुधन अनुसंधान केन्द्र, डग (झालावाड़), में भी स्थित हैं।

विश्वविद्यालय के अन्तर्गत नौ पशुधन अनुसंधान केन्द्र हैं, जिनमें पशुधन अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर, बीछवाल (बीकानेर), कोडमदेसर (बीकानेर), चांदन (जैसलमेर), नोहर (हनुमानगढ़), नवानियाँ, वल्लभनगर (उदयपुर), बोजुन्दा (चित्तौड़गढ), डग (झालावाड़) एवं सरमथुरा (धौलपुर) में स्थापित है। इन अनुसंधान केन्द्रो के माध्यम से राज्य की छः देशी गौवंश नस्लें राठी,

थारपारकर, गिर, साहीवाल, मालवी और कांकरेज के विकास एवं संवर्द्धन का कार्य किया जा रहा है। पशुधन अनुसंधान केन्द्रों के माध्यम से हैरिटेज जीन बैंक की अवधारणा के तहत पशुपालकों व गौशालाओं को स्वदेशी गौवंश प्रजनन के लिए उन्नत किस्म के बछड़े और सांड उपलब्ध करवाये जा रहे हैं। राजुवास द्वारा अब तक 2800 से भी अधिक श्रेष्ठतम नस्ल के बछड़े व सांड उपलब्ध करवाए गए हैं। इससे गौशालाओं और पशुपालकों के यहां स्वदेशी गौवंश की संख्या में बढ़ोतरी के साथ हैरिटेज जीन बैंक की अवधारणा को मूर्त रूप मिल रहा है। इन अनुसंधान केन्द्रों पर देशी गौवंश के अलावा भैंस, भेड़, बकरी के संवर्द्धन व उन्नयन तथा पशुधन चारा उत्पादन के कार्य किए जा रहे हैं, धौलपुर में स्थित अंगई बकरी फार्म में सिरोही बकरी पर नस्ल सुधार एवं संवर्धन पर कार्य किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय द्वारा पशुपालकों तक नवीनतम शोध आधारित जानकारी पहुँचाने एवं उनकी समस्याओं के समाधान हेतु 16 पशु विज्ञान केन्द्र (पी.वी.के) नागौर, जोधपुर, टोंक, भरतपुर, चुरू, कोटा, सिरोही, डूंगरपुर, झुंझुनू, धोलपुर, श्री गंगानगर, बीकानेर, चित्तौड़गढ़, जालौर, झालावाड़ एवं जोबनेर (जयपुर) में स्थापित किये गए हैं। आगामी वर्षों में प्रदेश के प्रत्येक जिले में इस तरह के केन्द्र स्थापित किये जाने का लक्ष्य है। पशुचिकित्सा विश्वविद्यालय प्रशिक्षण एवं अनुसंधान केन्द्रों के द्वारा पशुकल्याण सेवाओं के अन्तर्गत विभिन्न गतिविधियों के लिए पशुपालक प्रशिक्षण शिविर, पशुचिकित्सा शिविर, पशुपालक गोष्ठी, वैज्ञानिक पशुपालक संवाद, फील्ड दिवस, जागरूकता शिविर और उन्नत तकनीकों का प्रदर्शन का आयोजन कर पशुपालकों को लाभांवित गया।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा वित्त पोषित विश्वविद्यालय का एक मात्र कृषि विज्ञान केन्द्र हनुमानगढ़ जिले के नोहर कस्बे में स्थापित है। केन्द्र द्वारा ऑन फार्म ट्रायल, प्रथम पंक्ति प्रदर्शन, संस्थानिक और गैर संस्थानिक प्रशिक्षणों सहित प्रसार शिक्षा के तहत क्षेत्रीय दिवस, किसान मेला, किसान गोष्ठी, प्रदर्शनी, परिणामों का प्रदर्शन, वैज्ञानिकों, कृषकों का भ्रमण, पशुचिकित्सा शिविर, फार्म साईंस क्लब, स्वयं सहायता समूहों के संयोजकों का सम्मेलन जैसे कार्य किये गये। यह कृषि विज्ञान केन्द्र नव तकनीक और प्रौद्योगिकी को पशुपालकों तक हस्तांतरण के महती कार्य में जुटा हुआ है।

राजस्थान पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति का कार्यकाल पूर्ण होने के उपरान्त माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने 6 अगस्त को प्रो. गर्ग को वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलपति के पद पर नियुक्त किया। जिसके अनुपालन में प्रो. सतीश कुमार गर्ग ने नये कुलपति के रुप में 9 अगस्त 2021 को पदभार ग्रहण किया गया।

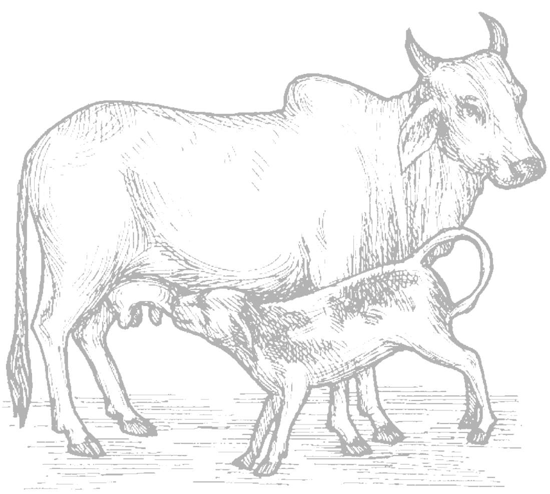

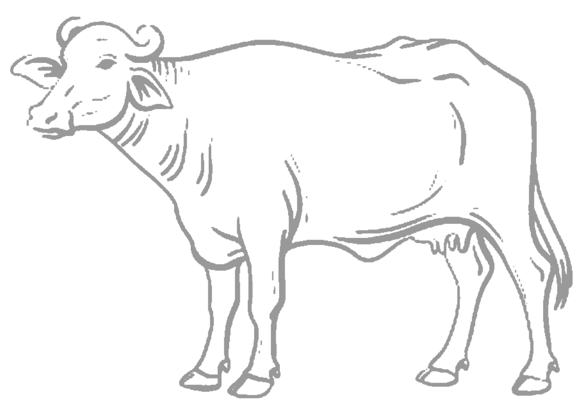

2. स्वीकृत–कार्यरत तथा रिक्त पदों का विवरण

2-1 'k{kf.kd ink dh J.khokj fLFkfr

पद का नाम	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त
आचार्य	59	26	33
सह–आचार्य	114 (*3)	02	112
सहायक आचार्य	253 (*1)	99	154
योग	**426**	**127**	**299**

* आई.सी.ए.आर (4 पद)

2-2 v'k{kf.kd ink dh J.khokj fLFkfr

	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त
(i) अधिकारी			
कुलपति	1	1	...
अधिष्ठाता	7	...	7
अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर शिक्षा	1	...	1
निदेशक	2	...	2
कुलसचिव	1	1	...
वित्तनियंत्रक	1	1	...
परीक्षानियंत्रक	1	...	1
अतिरिक्त निदेशक	3	...	3
निदेशक कार्य	1	1	...
पुस्तकालयाध्यक्ष	1	...	1
योग	**19**	**4**	**15**
(ii) कनिष्ठ अधिकारी			
उपकुलसचिव	1	...	1
सहायक कुलसचिव	6	1	5
उप वित्तनियंत्रक	1	1	...
सहायक निदेशक	2	...	2
सहायक अभियंता	5	...	5
उप–पुस्तकालयाध्यक्ष	1	1	...
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	6	...	6
लेखाधिकारी	2	...	2
विधि अधिकारी	1	1	...
कार्यक्रम समन्वयक (के.वी.के.)	1	...	1
विषय विशेषज्ञ (के.वी.के.)	6	...	6
योग	**32**	**4**	**28**

2-3 futh lfpo ,oa e=kyf;d inksa dh Js.khokj fLFkfr

क्र.सं.	पद का नाम	स्वीकृत पद	कार्यरत	रिक्त
1	निजी सचिव	1	1	...
2	सीनियर निजी सहायक	5	3	2
3	निजी सहायक	10	1	9
4	शीघ्र लिपिक	6 (**1 के.वी.के.)	...	6
5	अनुभाग अधिकारी	8	1	7
6	सहायक लेखाधिकारी	3	1	2
7	लेखाकार	9	1	8
8.	सहायक लेखाकार	3	...	3
9.	सहायक अनुभाग अधिकारी	6	4	2
10.	वरिष्ठ लिपिक	21	13	8
11.	कनिष्ठ लिपिक	87 (*1 आई.सी.ए.आर) (***1 जॉबबेसिस)	10	77
12.	स्टोरमुंशी	2	...	2
13.	कम्प्यूटर ऑपरेटर	4	1	3
14.	विधि सहायक	1	...	1
15.	प्रोग्रामर	2	...	2
16.	प्रोग्राम सहायक (के.वी.के.)	2	...	2
	योग	**170**	**36**	**134**

*आई.सी.ए.आर (1 पद), ** के.वी.के.(3 पद), ***जॉब बेसिस(1 पद)

2-4 vU; f'k{kd ,oa rduhdh deZpkjh inksa dh Js.khokj fLFkfr

Ø-l-	in dk uke	LohÑr in	dk;Zjr	fjDr
vU; f'k{kd				
1	वी.ए.एस.	7	...	7
2	पशुचिकित्सा अधिकारी	3 (*1 आई.सी.ए.आर)	...	3
3	अनुदेशक	13	...	13
rduhdh deZpkjh				
4	तकनीकी सहायक	68 (*1 आई.सी.ए.आर)	11	57
5	फार्म मैनेजर	2 (**1 के.वी.के.)	...	2
6	फार्म सहायक	2	...	2

क्र.सं.	पद कानाम	स्वीकृत पद	कार्यरत	रिक्त
7	प्रोफेशनल असिस्टैंट (लाईब्रेरियन)	1	1	...
8	सहायक कृषि अधिकारी	4	1	3
9	डेयरी प्लांट ऑपरेटर	1	...	1
10	सीनियर मैकेनिक	1	...	1
11	प्रयोगशाला सहायक	50	2	48
12	जे.टी.ए.	2	...	2
13	आर्टिस्ट	1	...	1
14	स्टॉकमैन / एल.एस.ए.	15 (*3 आई.सी.ए.आर)	...	15
15	राईडिंग इंस्ट्रैक्टर	1	1	...
16	कृषि पर्यवेक्षक	3	...	3
17	लाईब्रेरी सहायक	3	1	2
18	पोल्ट्री सहायक	1	...	1
19	डेयरी सहायक / मिल्क रिकॉर्डर	5	...	5
20	जूनि. कम्पाउंडर	2	...	2
21	बॉयलर ऑपरेटर	1	...	1
22	मैर्टन	1	1	...
23	ड्राईवर	34 (**2 के.वी.के.) (***1 जॉब बेसिस)	11	23
24	पम्प ऑपरेटर	4	2	2
25	मिस्त्री	4	1	3
26	कारपेन्टर	2	...	2
27	वायरमेन	1	1	...
28	पलम्बर	1	...	1
29	ब्लैक स्मिथ	1	...	1
30	जूनियर मैकेनिक / फार्म मैकेनिक	6	5	1
31	क्यूरेटर	1	...	1
	योग	**241**	**38**	**203**

*आई.सी.ए.आर. (5 पद), ** के.वी.के.(3 पद), ***1 जॉब बेसिस (1 पद)

2-5 pr|Fk J.kh de|pkjh ink dh J.khokj fLFkfr

क्र.सं.	पद का नाम	स्वीकृत पद	कार्यरत	रिक्त
1	हैडमाली	1	...	1
2	बुक लिफ्टर	3	...	3
3	प्रयोगशाला अटैंडेन्ट	61	15	46
4	फार्म वर्कर	78 (***60 जॉब बेसिस)	6	72
5	हाली	3	2	1
6	बुल अटैंडेंट	6	1	5
7	कैटल अटैंडेंट	46	13	33
8	सहायक	30 (**1 के.वी.के.) (***1 जॉब बेसिस)	5	25
9	लाईब्रेरी बॉय	4	2	2
10	तांगा ड्राईवर	1	...	1
11	गार्डनर	8	5	3
12	शीप अटैंडेंट	3	3	...
13	फराश	1	1	...
14	वॉचमैन	7	2	5
15	बस क्लीनर	4	1	3
16	स्वीपर	15 (***4 जॉब बेसिस)	9	6
17	पोल्ट्री अटैंडेंट	7	6	1
18	बुचर	1	1	...
19	मैड	1	...	1
20	हॉस्टल अटैंडेंट	3	3	...
21	शैफर्ड	2	...	2
22	चपरासी	109 (**2 के.वी.के.)	39	70
23	बेलदार	5	3	2
24	साईकिल सवार	1	...	1
25	एनिमल अटैंडेंट	26 (***16 जॉब बेसिस)	7	19
26	पोस्टमार्टम अटैंडेंट	1 (***1 जॉब बेसिस)	...	1
27	मैकेनिक	1	...	1

क्र.सं.	पद का नाम	स्वीकृत पद	कार्यरत	रिक्त
28	मल्टी टास्क सर्विसेज	4 (***4 जॉब बेसिस)	....	4
29	फार्म अटेण्डेन्ट	1 (***1 जॉब बेसिस)	....	1
30	वेटरनरी सर्विस	3 (***3 जॉब बेसिस)	....	3
31	मशीन विद मैन	3 (***3 जॉब बेसिस)	...	3
32	एम.टी.एस.	1 (***1 जॉब बेसिस)	...	1
	योग	**440**	**124**	**316**

** के.वी.के.(3 पद), ***जॉब बेसिस (94 पद)

'k{kf.kd ,o v'k{kf.kd ink dk ;kx

	स्वीकृत पद	कार्यरत	रिक्त
(i) शैक्षणिक	426	127	299
(ii) अधिकारी	19	4	15
(iii) कनिष्ठ अधिकारी	32	4	28
(iv) निजी सचिव एवं मंत्रालयिक कर्मचारी (विश्वविद्यालय की सभी इकाईयों)	170	36	134
(v) अन्य शिक्षक एवं तकनीकी कर्मचारी (विभाग, प्रयोगशाला, फार्म एवं विभिन्न अनुसंधान केन्द्र)	241	38	203
(vi) चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	440	124	316
योग(i)+(ii)+(iii)+(iv)+(v)+(vi)	**1328**	**333**	**995**

*आई.सी.ए.आर. (10 पद), ** के.वी.के. (16 पद), ***जॉब बेसिस (96 पद)

3. विभागीय प्रमुख कार्य तथा प्रत्येक प्रमुख कार्य के विरूद्ध आलौच्य वर्ष में प्रगति एवं उसकी विगत 3 वर्ष से तुलना

3-1 vdknfed dk;Øe

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर की भूमिका शासनादेश के अनुसार यह परिकल्पित है कि विश्वविद्यालय पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान के क्षेत्र में शिक्षण, अनुसंधान और प्रसार कार्यक्रमों को आगे बढ़ाएगा। विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों को विभिन्न स्तरों पर डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर और पी.एच.डी पर डिग्री देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर विधार्थियों को अनेकों शैक्षणिक और प्रशिक्षण कार्यक्रमों द्वारा शिक्षित एवं प्रशिक्षित कर रहा है ताकि उनमें ज्ञान एवं नेतृत्व विकसित हो सके और वे कुशल पेशेवर पशुचिकित्सक बन सकें तथा विश्वव्यापी आर्थिक चुनौतियों का मुकाबला कर सकें। विश्वविद्यालय में शिक्षण का कार्य संकाय अध्यक्ष, पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान, अधिष्ठाता पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय तथा विभागाध्यक्षों के निर्देशन में करवाया जाता है। विश्वविद्यालय में शिक्षण कार्य मुख्यतः व्याख्यान एवं इलेक्ट्रानिक शिक्षण साधनों का उपयोग, प्रयोगशालाओं में प्रयोगात्मक अध्ययन, चिकित्सालयों और पशुधन फार्मो पर कराया जाता है। स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों का आंतरिक एवं बाह्य परिक्षाओं द्वारा मूल्यांकन किया जाता है।

विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों द्वारा विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिये स्नातक, स्नातकोत्तर तथा विद्या वाचस्पति स्तर पर विद्यार्थियों को अनुसंधान परियोजना निर्माण, विश्वविद्यालय व राष्ट्रीय स्तर पर सह पाठ्यक्रम कौशल प्रदान करने, शैक्षणिक भ्रमण और इंर्टनशिप प्रशिक्षण के लिये सुविधाऐं प्रदान की गई।

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के अन्तर्गत संघटक महाविद्यालय व डिप्लोमा संस्थान निम्न प्रकार से हैं।

1. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर
2. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, उदयपुर
3. स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, जयपुर
4. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, जोधपुर (स्वीकृत)
5. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नांवा, नागौर (स्वीकृत)
6. डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बीकानेर
7. डेयरी एवं खाध प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बस्सी, जयपुर
8. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, चांदन, जैसलमेर
9. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, नोहर, हनुमानगढ़
10. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, बोजुन्दा, चितौड़गढ़
11. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, डग, झालावाड़

fo'ofo|ky; }kjk fut h egkfo|ky;k@ lLFkkuk dk lc)rk

विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक पाठ्यक्रम हेतु चार निजी पशुचिकित्सा महाविद्यालय (अपोलो कॉलेज ऑफ वेटरनरी मेडिसिन, जयपुर, एम.जे.एफ. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, चौमूं जयपुर, अरावली पशुचिकित्सा महाविद्यालय, सीकर तथा एम. बी. वेटरनरी महाविद्यालय, डूंगरपुर) को संबद्धता दी गई है। इसी प्रकार दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम हेतु प्रदेश में 73 निजी संस्थानों को विश्वविद्यालय द्वारा संबद्धता प्रदान गई।

वर्तमान में राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर द्वारा पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान के संकाय में निम्नलिखित पाठ्यक्रम कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं।

उपाधि	पाठ्यक्रम	अवधि
स्नातक पूर्व	**पशुपालन में डिप्लोमा** (भारतीय पशुचिकित्सा परिषद अधिनियम, 1984 के अनुसार न्यूनतम पशुचिकित्सा सेवा प्रदाताओ के लिए बुनियादी योग्यता)	2 वर्ष
स्नातक	**बी.वी.एससी. एण्ड ए.एच.**	5 वर्ष 6 माह
स्नातकोत्तर	**एम.वी.एससी**. पशु शरीर रचना एवं औतिकी, पशु शरीर क्रिया विज्ञान, पशु जैव रसायन विज्ञान, पशु पोषण, पशु प्रजनन एवं आनुवांशिकी, पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन, पशु व्याधिकी, पशु सुक्ष्म जैविकी, पशु परजीवी विज्ञान, पशु जनस्वास्थ्य, पशु नैदानिक चिकित्सा, आचार एवं न्यायशास्त्र, पशु जनपदिक रोग विज्ञान एवं निवारक चिकित्सा, पशु शल्य चिकित्सा एवं विकिरण, पशु प्रसूति एवं मादा रोग विज्ञान, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन प्रसार शिक्षा, पशु जैव प्रौद्योगिकी, पशुचिकित्सा भेषज एवं विष विज्ञान, पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी विज्ञान	2 वर्ष
	एम.एस.सी पशु जैव प्रौद्योगिकी	2 वर्ष
विद्या वाचस्पति	**पीएच.डी.** पशु शरीर रचना एवं औतिकी, पशु शरीर क्रिया विज्ञान, पशु पोषण, पशु प्रजनन एवं आनुवांशिकी, पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन, पशु व्याधिकी, पशु सुक्ष्म जैविकी, पशु परजीवी विज्ञान, पशु नैदानिक चिकित्सा, आचार एवं न्यायशास्त्र, पशु शल्य चिकित्सा एवं विकिरण, पशु प्रसूति एवं मादा रोग विज्ञान, पशु जैव प्रौद्योगिकी, पशुचिकित्सा एवं पशु पालन प्रसार शिक्षा, पशु जनस्वास्थय विज्ञान, पशुचिकित्सा औषद एवं विष विज्ञान, पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी	3 वर्ष

3-1-1 Lukrd ikB;Øe ¼ch-oh-,l lh- ,.M ,-,p-½

पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान में स्नातक (बी.वी.एस.सी एण्ड ए.एच.) पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के सभी संघटक पशुचिकित्सा महाविद्यालयों (सी.वी.ए.एस., बीकानेर, सी.वी.ए.एस., नवानियां, वल्लभनगर, उदयपुर तथा पी.जी.आई.वी.ई.आर. जयपुर) एवं चार संबद्ध निजी पशुचिकित्सा महाविद्यालयों (अपोलो कॉलेज ऑफ वेटरनरी मेडिसिन, जयपुर, एम.जे.एफ. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, चौमुं, जयपुर, अरावली पशुचिकित्सा महाविद्यालय, सीकर तथा एम. बी. वेटरनरी महाविद्यालय, डूंगरपुर) में चलाये जा रहे हैं। भारतीय पशुचिकित्सा परिषद के नये मानदण्डो के अनुसार यह पाठ्यक्रम साढ़े पाँच वर्ष की अवधि (साढ़े चार वर्ष का पाठ्यक्रम और 1 वर्ष का इंर्टनशिप प्रशिक्षण) का है। वेटरनरी विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों में यू.जी. पाठ्यक्रम में राज्य सरकार की स्वीकृति के बाद 80–80 सीटें हैं। स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश राज्य की 85 प्रतिशत सीटों के लिये विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राजस्थान प्री पशुचिकित्सा परीक्षा (आर.पी.वी.टी) के माध्यम से किया गया तथा शेष 15 प्रतिशत सीटों पर प्रवेश भारतीय पशुचिकित्सा परिषद, नई दिल्ली द्वारा नीट परीक्षा के आधार पर किया गया।

ch-oh-,l lh- ,.M ,-,p- ikB;Øe e Nk= l[;k

क्र. सं.	संघटक पशु चिकित्सा महाविद्यालयों का नाम	बी.वी.एससी. एण्ड ए.एच.					कुल छात्र
		I	II	III	IV	V	
1.	पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर	80	81	73	65	63	**362**
2.	पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, वल्लभनगर, उदयपुर	80	83	67	63	61	**354**
3.	पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर	80	74	73	69	49	**345**
	कुल छात्र	**240**	**238**	**213**	**197**	**173**	**1061**

3-1-2 LukrdksŸkj ikB;Øe ¼,e-oh-,l lh-½

पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (एम.वी.एससी.) विश्वविद्यालय के निम्नलिखित तीन संघटक महाविद्यालयों में चलाये जा रहे है।

1. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर
2. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, उदयपुर
3. स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, जयपुर

विश्वविद्यालय ने वर्तमान में उपलब्ध शिक्षकों की संख्या को दृष्टिगत रखते हुए एवँ शिक्षा की गुणवता सुनिश्चित करने के लिये 107 पी.जी. सीटें स्वीकृत की। स्टॉफ और सुविधाओं की उपलब्धता के आधार पर एम.वी.एससी. के लिए प्रत्येक विषय में कम से कम तीन और अधिकतम छः सीटें हैं। एम.वी.एससी. में प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्री.पी.जी परीक्षा द्वारा राज्य की सीटों पर किया जाता है इसके अलावा प्रत्येक विषय में एक–एक सीट पर प्रवेश आईसीएआर द्वारा आयोजित अखिल भारतीय प्री.पी. जी. परीक्षा के माध्यम से किया गया। पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान में स्नात्तकोतर पाठ्यक्रम पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय नवानियाँ, उदयपुर तथा स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा व अनुसंधान संस्थान, जयपुर में निम्नलिखित विषयों में चलाये जा रहे हैं।

,e-oh-,l lh- ikB;Øe e Nk= l[;k

संघटक पशुचिकित्सा महाविद्यालयों का नाम	एम.वी.एससी.		कुल छात्र संख्या
	I	II	
पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर	54	52	**106**
पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, वल्लभनगर, उदयपुर	23	27	**50**
पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर	28	28	**56**
कुल छात्र	**105**	**107**	**212**

i'kfpfdRlk foKku e Lukrdkùkj d ikB;Øe d fy, lhVk dh l[;k

क्र. सं.	विषय	पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर			पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ उदयपुर		पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर	
		राज्य	आई.सी.ए.आर.	संदाय	राज्य	संदाय	राज्य	संदाय
1.	पशु प्रजनन एवं आनुवांशिकी	1	1	1	1	1	1	1
2.	पशु पोषण	1	1	3	1	2	1	1
3.	पशुधन उत्पादन एवं प्रबन्धन	1	1	3	1	1	1	2
4.	पशु शरीर रचना एवं औतिकी	1	1	1	–	2	–	–
5.	पशुचिकित्सा एवं पशु पालन प्रसार शिक्षा	1	1	1	1	–	1	1
6.	पशु जैव रसायन	1	1	1	–	–	1	1
7.	पशु नैदानिक चिकित्सा, आचार एवं न्यायशास्त्र	1	1	3	1	1	1	2
8.	पशु जानपदिक रोग विज्ञान एवं निवारक चिकित्सा	–	–	–	–	–	–	–
9.	पशु प्रसूति एवं मादा रोग विज्ञान	1	1	3	1	1	1	1
10.	पशु सूक्ष्म–जैविकी	–	1	–	1	1	–	2
11.	पशु परजीवी विज्ञान	1	1	–	–	1	1	1
12.	पशु व्याधिकी	1	1	3	1	1	1	1
13.	पशु शरीर क्रिया विज्ञान	1	1	1	–	1	–	1
14.	पशुचिकित्सा जनस्वास्थ्य विज्ञान	1	1	–	–	1	–	1
15.	पशु शल्य चिकित्सा एवं विकिरण	2	1	4	1	1	1	1
16.	पशु जैव प्रौद्योगिकी	–	–	–	–	–	–	–
17.	पशुचिकित्सा औषध एवं विष विज्ञान	–	–	2	–	–	–	–
18.	पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी	–	–	2	–	1	–	2
	कुल	**14**	**14**	**28**	**9**	**14**	**10**	**18**

ukV % io'k d le; fo'ofo|ky; d foHkkxk e f'k{kdk ,o vU; lk/kuk dh miyC/krk d vk/kkj ij iR;d o"k fofHkUu fo"k;k e lhVk dk c<k;k ;k ?kVk;k tkrk gA

3-1-3 fo|k&okpLifr@MkDVjsV ikB~;Øe ¼ih,p-Mh-½

डाक्टरेट पाठ्यक्रम में प्रवेश विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियमन के अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्री. पी. जी. एवं पीएच.डी परीक्षा के आधार पर निम्नलिखित विषयों में दिये जाते हैं। पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर एवं पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, वल्लभनगर (उदयपुर) में डाक्टरेट पाठ्यक्रम सत्र् 2015–16 से शुरू किया गया हैं। विश्वविद्यालय ने वर्तमान में उपलब्ध शिक्षकों की उपलब्धता के आधार पर चालू सत्र में 35 पीएच.डी. की सीटें हैं।

ih-,p-Mh- ikB~;Øe esa Nk= la[;k

संघटक पशुचिकित्सा महाविद्यालय का नाम	पीएच.डी.			कुल छात्र
	I	II	III	
पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर	13	12	20	**45**
पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, वल्लभनगर, उदयपुर	–	01	10	**11**
पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर	1	2	13	**16**
कुल छात्र	**14**	**14**	**43**	**72**

i'kqfpfdRlk foKku esa fo|k&okpLifr@MkDVjsV ¼ih,p-Mh-½ ds ikB~;Øe ds fy, lhVksa dh la[;k

क्र. सं.	विषय	पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर			पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ उदयपुर		पी.जी.आई.वी.ई. आर., जयपुर	
		राज्य	आई.सी. ए.आर.	संदाय	राज्य	संदाय	राज्य	संदाय
1.	पशु प्रजनन एवं आनुवांशिकी	–	1	–	–	1	–	1
2.	पशु पोषण	1	1	–	–	–	1	1
3.	पशुधन उत्पादन एवं प्रबन्धन	1	1	1	–	1	1	1
4.	पशु शरीर रचना एवं औतिकी	–	1	–	–	1	–	–
5.	पशु नैदानिक चिकित्सा, आचार एवं न्यायशास्त्र	1	1	–	1	–	1	–
6.	पशु प्रसूति एवं मादा रोग विज्ञान	1	1	–	–	1	–	–
7.	पशु सुक्ष्म–जैविकी	–	1	1	–	–	–	–
8.	पशु व्याधिकी	1	1	1	–	–	–	–
9.	पशु शल्य चिकित्सा एवं विकिरण	1	1	1	–	–	–	1
10.	पशु शरीर क्रिया विज्ञान	–	1	–	–	–	–	1
11.	पशुचिकित्सा जनस्वास्थ्य विज्ञान	1	–	–	–	–	–	–
12.	पशु जैव प्रौद्योगिकी	–	–	1	–	–	–	–
	कुल	**07**	**10**	**05**	**01**	**04**	**03**	**05**

uksV % iwoZ'k ds le; fo'ofo|ky; ds foHkkxksa esa f'k{kdksa ,oa vU; lalk/kuksa dh miyC/krk ds vk/kkj ij iR;sd o"kZ fofHkUu fo"k;ksa esa lhVksa dk c<+k;k ;k ?kVk;k tkrk gSA

3-1-4 i'kqikyu e fMIykek ikB;Øe ¼,-,p-Mh-ih-½

विश्वविद्यालय द्वारा पशुपालन में स्वरोजगारोन्मुख दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम शैक्षणिक सत्र 2007–08 से चलाया जा रहा है। विश्वविद्यालय इस कार्यक्रम के लिए बुनियादी सुविधाऐं हॉस्टल, नैदानिक सुविधाऐं, फार्म सहित मौजूदा सुविधाओं का उपयोग कर रहा है। विश्वविद्यालय के अधिन वर्ष 2020–21 में दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम के 7 संघटक एवं 74 अन्य संबद्ध संस्थान चल रहे हैं।

fo'ofo|ky; d l?kVd i'kqikyu fMIykek lLFkkuk e Nk= l[;k

क्र. सं.	संघटक पशुपालन डिप्लोमा संस्थानों का नाम	डिप्लोमा पाठ्यक्रम I	डिप्लोमा पाठ्यक्रम II	कुल छात्र संख्या
1.	पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर	39	42	81
2.	पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, उदयपुर	47	45	92
3.	स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, जयपुर	46	36	82
4.	पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, पशुधन अनुसंधान केंद्र, नोहर, हनुमानगढ़	45	44	89
5.	पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, पशुधन अनुसंधान केंद्र, चांदन, जैसलमेर	37	38	74
6.	पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, पशुधन अनुसंधान केंद्र, चित्तौड़गढ़	45	50	95
7.	पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, पशुधन अनुसंधान केंद्र, डग, झालावाड़	44	41	85
	कुल छात्र	**303**	**296**	**598**

LohÑr lhVk dh l[;k dk rqyukRed fooj.k

पाठ्यक्रम	अवधि	स्वीकृत छात्र संख्या		
		2019–20	2020–21	2021–22
स्नातक	5 वर्ष 6 माह	240	240	240
स्नाकोत्तर	2 वर्ष	112	105	107
विद्या वाचस्पति	3 वर्ष	24	33	35
*स्नातक पूर्व (डिप्लोमा पाठयक्रम)	2 वर्ष	350	350	350

* संघटक पशुपालन डिप्लोमा संस्थाए

ch-oh-,l lh- ,.M ,-,p- ikB;Øe e Nk=k dh l[;k dk rqyukRed fooj.k

क्र.सं.	संघटक पशु चिकित्सा महाविद्यालयों का नाम	2019–20	2020–21	2021–22
1.	पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर	373	362	362
2.	पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, वल्लभनगर, उदयपुर	352	354	354
3.	पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर	326	346	345
	कुल छात्र	**1051**	**1062**	**1061**

,e-oh-,l-lh- ikB;Øe e Nk=k dh l[;k dk rqyukRed fooj.k

क्र.सं.	संघटक पशु चिकित्सा महाविद्यालयों का नाम	2019—20	2020—21	2021—22
1.	पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर	119	115	106
2.	पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, वल्लभनगर, उदयपुर	45	47	50
3.	पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर	39	53	56
कुल छात्र		**203**	**215**	**212**

ih-,p-Mh- ikB;Øe e Nk=k dh l[;k dk rqyukRed fooj.k

क्र.सं.	संघटक पशु चिकित्सा महाविद्यालयों का नाम	2019—20	2020—21	2021—22
1.	पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर	51	56	45
2.	पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, वल्लभनगर, उदयपुर	13	09	11
3.	पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर	18	18	16
कुल छात्र		**82**	**83**	**72**

l?kVd i'kqikyu fMIykek lLFkkuk e Nk=k dh l[;k dk rqyukRed fooj.k

क्र.सं.	संघटक पशुपालन डिप्लोमा संस्थानों का नाम	2019—20	2020—21	2021—22
1.	पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर	86	81	81
2.	पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, उदयपुर	96	92	92
3.	स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, जयपुर	82	82	82
4.	पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, पशुधन अनुसंधान केंद्र, नोहर, हनुमानगढ़	92	89	89
5.	पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, पशुधन अनुसंधान केंद्र, चांदन, जैसलमेर	77	75	74
6.	पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, पशुधन अनुसंधान केंद्र, चित्तौड़गढ़	97	95	95
7.	पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, पशुधन अनुसंधान केंद्र, डग, झालावाड़	85	85	85
कुल छात्र		**615**	**599**	**598**

LohÑr ,o dk;jr ink dh l[;k dk r|yukRed fooj.k

पद का नाम	2019—20			2020—21			2021—22		
	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त
आचार्य	54	8	46	54	19	35	59	26	3
सह–आचार्य	103	30	73	103	14	89	114	2	112
सहायक आचार्य	209	103	106	209	102	107	253	99	154
अधिकारी	16	3	13	16	4	12	19	4	15
कनिष्ठ अधिकारी	32	6	26	29	8	21	32	4	28
मंत्रालयिक कर्मचारी	160	52	108	155	52	103	170	36	134
तकनीकी कर्मचारी	214	51	163	218	41	177	241	38	203
चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	413	204	209	420	150	270	440	124	316
योग	**1165**	**457**	**708**	**1204**	**390**	**814**	**1328**	**333**	**995**

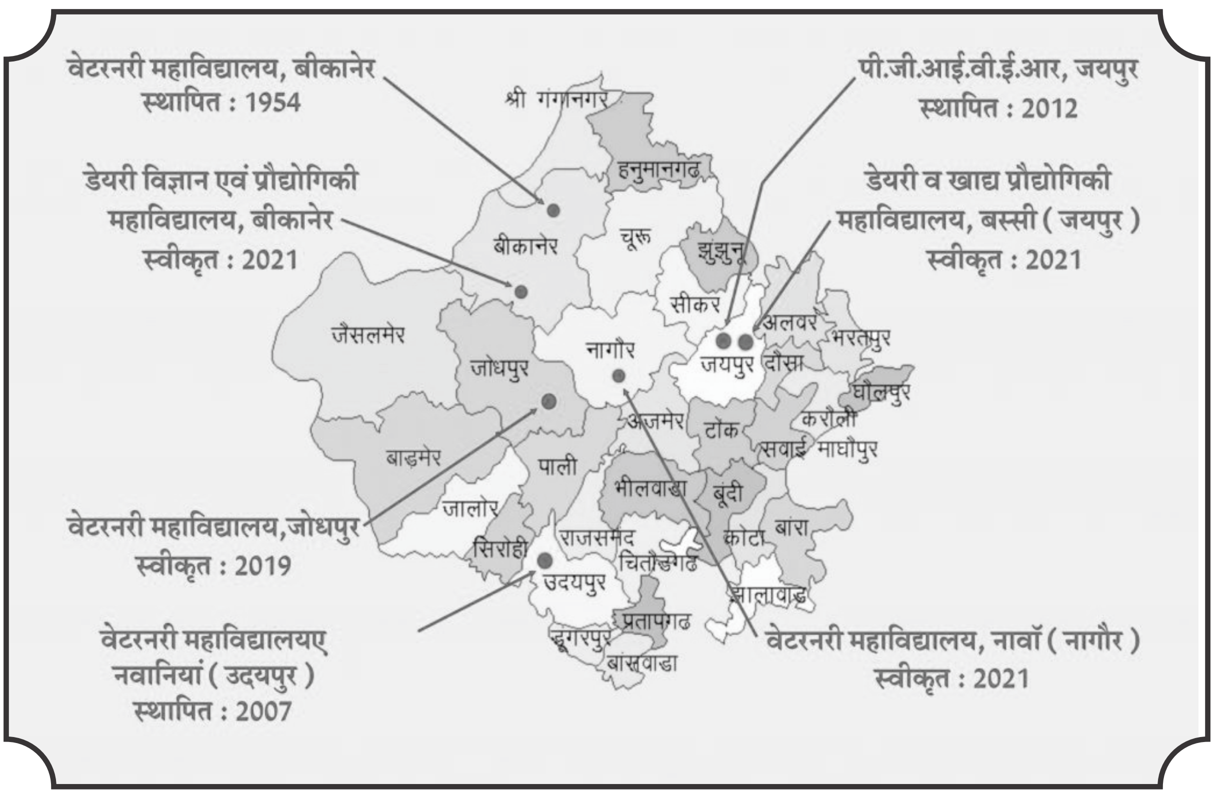

3-2 vu|l/kku ifj;k tuk,¡&

राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर में इस वर्ष सात राष्ट्रीय कृषि विकास परियोजनाएं, दस राज्य पोषित अनुसन्धान परियोजनाएं, एवं पांच भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद द्वारा वित्त पोषित परियोजनाएं संचालित की गई।

क्र.सं	परियोजनाएं	2019—20	2020—21	2021—22
1	भारतीय कृषि अनुसन्धान परियोजनाएं	6	5	5
2	राज्य पोषित अनुसन्धान परियोजनाएं	18	10	10
3	राष्ट्रीय कृषि विकास योजना	9	8	7
	कुल	**33**	**23**	**22**

jkT; ikf"kr vu|lU/kku ifj;k tuk,¡%

इसके अंतर्गत नौ पशुधन अनुसन्धान केंद्र स्थापित है इसमें राठी गौवंश का संरक्षण, मूल्यांकन एवं सुधार हेतु नोहर व बीकानेर, कांकरेज व साहीवाल गौवंश प्रजनन फार्म कोडमदेसर, गिर गौवंश प्रजनन फार्म वल्लभनगर (उदयपुर), थारपारकर गौवंश प्रजनन फार्म बीछवाल (बीकानेर) व चान्दन (जैसलमेर), गौवंश पशु प्रजनन फार्म डग (झालावाड़), सिरोही बकरी प्रजनन फार्म बोजून्दा (चित्तौडगढ) एवं सरमथुरा (धौलपुर) में स्थापित हैं।

mPp x|.koÙkk oky xko'k dk forj.k %

क्र.सं	फार्म का नाम	2019—20	2020—21	2021—22
1	पशुधन अनुसन्धान केंद्र, बीकानेर (राठी)	220	165	30
2	पशुधन अनुसन्धान केंद्र, नोहर (राठी)	20	15	50
3	पशुधन अनुसन्धान केंद्र, चान्दन (थारपारकर)	78	63	107
4	पशुधन अनुसन्धान केंद्र, बीछवाल (थारपारकर)	47	22	68
5	पशुधन अनुसन्धान केंद्र, कोडमदेसर (कांकरेज)	221	442	08
6	पशुधन अनुसन्धान केंद्र, कोडमदेसर (साहीवाल)	114	96	25
7	पशुधन अनुसन्धान केंद्र, वल्लभनगर (गिर)	54	153	28
8	पशुधन अनुसन्धान केंद्र, डग (मालवी)	—	58	27

पशुधन अनुसन्धान केंद्र, बोजून्दा (चित्तौडगढ) में संचालित परियोजना के अन्तर्गत सिरोही बकरियों में अनुवाशिक सुधार हेतु उच्चगुणवत्ता वाले सिरोही बकरे क्रमशः 2019—20 में 95, 2020—21 में 159 एवं 2021—22 में 73 रजिस्टर्ड पशुपालकों को वितरित किए गए।

tfod çek.khdj.k %

इसके साथ ही पशुधन केंद्र, बीछवाल में 110 हेक्टर भूमि व 120 बकरियों, कोडमदेसर में 65 हेक्टर भूमि, चान्दन में 100 हेक्टर भूमि व 50 बकरियों, वल्लभनगर में 25 हेक्टर भूमि, 39 बकरियों व 25 गौवंश, पशुधन अनुसन्धान केंद्र बोजून्दा में 15 हेक्टर

भूमि व 347 बकरियों, सरमथुरा धौलपुर में 25 हेक्टर भूमि व 151 बकरियों, पी.जी.आई.वी.ई.आर, जयपुर में 5.69 हेक्टर भूमि व 32 बकरियों का जैविक प्रमाणीकरण किया गया।

[kfut feJ.k l;=%

विश्वविद्यालय में इस वर्ष 129.38 क्विंटल खनिज मिश्रण पशुधन अनुसन्धान केंद्र, बीछवाल द्वारा उत्पादन करके विश्वविद्यालय के सभी फार्मों में वितरित किया गया।

Hkkjrh; Ñf"k vuql/kku ifj"kn %

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वित्त पोषित परियोजनाओं के अंतर्गत सूरती भैंस उन्नयन हेतु नेटवर्क परियोजना (वल्लभनगर), पशुओं की शल्य चिकित्सा स्थितियों के निदान, इमेजिंग और प्रबंधन पर अखिल भारतीय नेटवर्क कार्यक्रमं (बीकानेर), किसानों की सिरोही बकरियों में आनुवाशिंक सुधार हेतु ए.आई.सी.आर.पी. (वल्लभनगर), मारवाड़ी बकरी सुधार हेतु ए. आई.सी.आर.पी. (बीकानेर), सोनाडी भेड़ हेतु वृहद भेड़ बीज प्रजनन (वल्लभनगर) कार्यशील है।

i'kvks dh 'kY; fpfdRlk fLFkfr;ks d funku] beftx vkj icU/ku ifj;kstuk%

इस परियोजना के अन्तर्गत आधुनिक शल्य चिकित्सा सुविधाए जैसे छोटे व बडे पशुओ की नैत्र शल्य चिकित्सा (मोतीयाबिन्द, कॉर्निया अलस्र) एवं फ्रेक्चर के उपचार (बोन प्लेटिंग और इंटरलॉकिंग नेलिंग) सुविधाएं उपलब्ध हैं। तथा पशुओं में रोग निदान हेतु सीटी स्केन परीक्षण, इलैक्ट्रोरेटिनोग्राफी, अल्ट्रासोनोग्राफी एवं एक्स रे की सुविधाएं उपलब्ध है।

इसके अतिरिक्त छोटे पशुओं में रीढ़ की हड्डी के चोट में डॉग कार्ट व खडे होने में अशक्ष्म बडे पशुओ के लिए डाउनर एनिमल बे (स्लिंग) की सुविधा उपलब्ध है।

क्र.सं	परिक्षण /शल्य चिकित्सा	2019—20	2020—21	2021—22
1.	सीटी स्केन परीक्षण	43	48	24
2.	इलेक्ट्रोरोटिनोग्राफी (ERG) द्वारा नेत्र विकार का परीक्षण	18	58	10
3.	फेकोईमल्सीफिकेशन व ईसीई तकनीक द्वारा मोतियाबिन्द की शल्य चिकित्सा	13	10	07
4.	हड्डी विकार सम्बधी शल्य चिकित्सा	405	687	358
5.	डायोड लेजर द्वारा शल्य चिकित्सा	15	29	59
6.	कार्बन डाई आक्साईड लेजर द्वारा शल्य चिकित्सा	11	31	55
	कुल	**505**	**863**	**513**

lqjrh HkSl ifj;kstuk%

सुरती भैंस परियोजना के अन्तर्गत 5 केन्द्र स्थापित हैं, जिसमें 30 गाँवों कें लगभग 800 से अधिक पशुपालक लाभान्वित हो रहे है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य संतति परिक्षण द्वारा सूरती भैंस उन्नयन हेतु भैंस के बछड़े (पाडा) प्रमाणित करना व कृत्रिम गर्भाधान हेतु उनका वीर्य हिमकरण करना हैं। इस क्रम में विगत वर्षों के दौरान पाडो के पांच समूह प्रमाणित किये जा चुकें हैं व प्रमाणित सूरती पाड़ो की 7200 से अधिक हिमकृत वीर्य खुराकों (डोजेज) का संग्रहण किया जा चूका है। इसके अतिरिक्त

परियोजना में उत्कृष्ट सूरती भैंसों का समूह संधारित किया जाता है। उक्त परियोजना के वर्षवार उपलब्धियों का विवरण निम्नानुसार है।

	2018—19	2019—20	2020—21
पशु संख्या	129	126	167
गर्भाधान दर	43.08	43.08	35.96
सीमन संग्रहण (डोज)	9511	6800	9104
औसत उत्पादन ब्यांत (कि.ग्रा.)	1649.38	1604.18	1633.00
कृत्रिम गर्भाधान	1719	1538	1678
उपलब्ध संततियां	561	559	620
कुल सत्यापित पाडे	10		

,-vkbZ-lh-vkj-ih- ekjokMh cdjh ifj;kstuk ¼chdkusj½

इस परियोजना में पंजीकृत किसानों की संख्या 2019—20 में 70 थी जिनकी संख्या 2020—21 में कोरोना महामारी के बावजुद 76 हुई है। जन्म के समय तथा 12 माह की आयु में शारीरिक भार में पिछले तीन वर्षो की अपेक्षा 1.93 तथा 7.71 प्रतिशत की वृद्धि पाई गई। वर्ष 2019—20, 2020—21 एवं 2021—22 में क्रमशः 20, 20 एवं 22 में उच्च गुणवत्ता के बकरे पंजीकृत पशुपालकों को निशुल्क वितरित किए गये।

,-vkbZ-lh-vkj-ih- lksukMh HksM ifj;kstuk ¼oyYHkuxj½

इस परियोजना के अतंर्गत सोनाडी भेड नस्ल सुधार हेतु वर्ष 2019—20 में 73, वर्ष 2020—21 में 56 तथा 2021—22 में 71 उच्च गुणवत्ता वाले मेंढ़ो का वितरण किया गया व साथ ही अनुसुचित जनजाति पशुपालको को प्रशिक्षण दिया गया है, तथा इन पशुपालको को खादी कम्बल, किसान टॉर्च, छाता, अजौला बीज, कर्मी खाद, पशु आहार व फिडिंग ट्रफ का निःशुल्क वितरण भी किया गया।

,-vkbZ-lh-vkj-ih- fljksgh cdjh ifj;kstuk ¼oyYHkuxj½

	2018—19	2019—20	2020—21
1. पंजीकृत किसान	96	106	103
2. प्रजनन योग्य बकरियां	1242	1611	1851
3. सिरोही नर आवंटन	45	54	50
4. उन्नत संतति उत्पन्न	970	1069	1171
5. दूग्ध उत्पादन (ली. प्रति बकरी / 150 दिन)	—	96.91±4.65	97.07±3.11
6. शारीरिक वृद्धि (9 माह पर) (किग्रा)	18.92±0.82	19.37±0.58	19.53±0.47

jk"Vªh; Ñf"k fodkl ;kstuk

राष्ट्रीय कृषि विकास योजनाओं की सात परियोजनाऐं विश्वविद्यालय में संचालित है। जिसमें जयपुर में जूनोटिक रोगों का निदान, निगरानी एवं प्रतिक्रिया केन्द्र, दक्षिणी राजस्थान में गाय–भैंसों की प्रजनन क्षमता बढ़ाने के लिए राजकीय पैरावेट को प्रशिक्षण, राजस्थान कोऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन की दुग्ध समितियों के सचिवों और प्रयोगशाला कार्मिकों को स्वच्छ और गुणवत्ता वाले दुग्ध उत्पादन के लिए दक्षता, राज्य में देशी नस्ल की मुर्गियों के जर्मप्लाज्म को गुणित करने के लिए पोल्ट्री इकाई की स्थापना, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना ''रफ्तार'' के तहत ही देशी गौवंश राठी के फार्म को जैविक डेयरी फार्म के रूप में विकसित करना, विश्वविद्यालय के पशुधन अनुसंधान केन्द्रो पर पशु आहार प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना आदि परियोजनाएं संचालित है।

जयपुर में जूनोटिक रोगों का निदान, निगरानी एवं प्रतिक्रिया केन्द्र के अंतर्गत वर्ष 2019–20 में मॉलीक्यूलर लैब का निर्माण व उपकरणों की खरीदारी जैसे कि आर.टी.पी.सी.आर., मल्टीमोड प्लेट रीडर, बायोसेफ्टी केबिनेट (ए.2 व बी.2) इत्यादि शुरू की गई थी। वर्ष 2020–21 में विभिन्न प्रकार के नमुने जैसे की खून, सीरम व मल इत्यादि राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों से एकत्रिक किये गये। वर्ष 2021–22 में राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों से फील्ड नमुने एकत्रित किये गये और ब्रुसेलोसिस, टीबी के निदान के लिये संशोधित किये गये।

राजस्थान को–ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन की दुग्ध समितियों के सचिवों और प्रयोगशाला कार्मिकों को स्वच्छ और गुणवत्ता वाले दुग्ध उत्पादन के लिए दक्षता कार्यक्रम भी चलाए जा रहे है, इस वर्ष 400 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया। वर्ष 2021–22 में विश्वविद्यालय के विभिन्न पशुधन अनुसंधान केन्दों पर खनिज लवण संयत्र एवं पशुआहार निर्माण संयत्र की स्थापना प्रक्रियाधीन है।

पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर महाविद्यालय में छात्र–छात्राओं के लिये आवासीय आवास का सुद्ढ़ीकरण परियोजना के अंतर्गत वर्ष 2020–21 में छात्रावास का प्रथम तल कार्य पूर्ण हो चुका है तथा द्वितीय एवं तृतीय तल का कार्य निर्माणाधीन है।

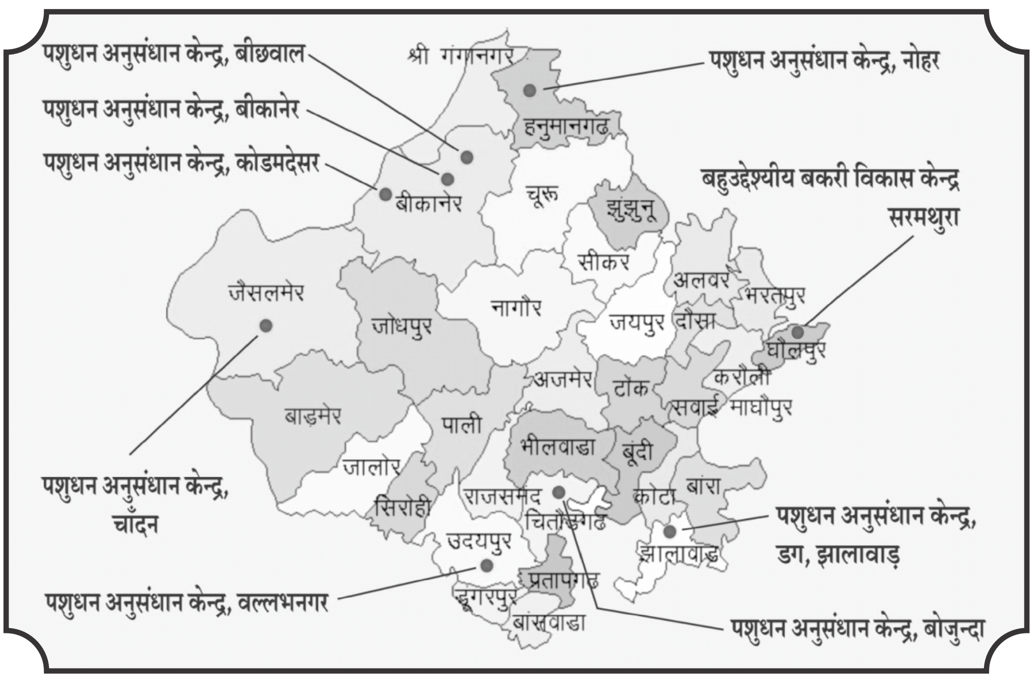

Ik'k/ku vuqla/kku dsUnz

3-3 Álkj f'k{kk dk;Øe

प्रसार शिक्षा निदेशालय एक नोडल एजेन्सी के रूप में विश्वविद्यालय के लिए राज्य में पशुधन विकास का कार्य कर रहा है। प्रसार शिक्षा निदेशालय विश्वविद्यालय के तीन प्रमुख स्तम्भों शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार में से एक महत्त्वपूर्ण स्तम्भ है। प्रसार शिक्षा निदेशालय अपने विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से पशुपालक समुदाय को नवीन तकनीकों व प्रचार–प्रसार सेवाओं को गांव–ढाणी तक पहुंचाकर पशुधन कल्याण व विकास के महत्ती कार्य में जुटा हुआ है। पशुधन विकास के लिए विश्वविद्यालय के जनोपयोगी अनुसंधान कार्यों और उन्नत तकनीकों के शीघ्र हस्तांतरण के लिए निदेशालय वैज्ञानिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ–साथ पशुपालकों व गौशाला प्रबंधकों की उन्नत पशुपालक गोष्ठियों का आयोजन, सलाहकारी सेवाएं और संभावित पशुरोगों की रोकथाम के लिए रोग पूर्वानुमान बुलेटिन जारी करने जैसे कार्य करके कृषकों और पशुपालकों को लाभ पहुंचा रहा है। इसके साथ ही पशुओं के बांझपन निवारण शिविर, पशुओं की रोग निदान सेवाएं, कृषक प्रशिक्षण, कृषक–वैज्ञानिक संवाद, प्रथम पंक्ति प्रदर्शन जैसे आयोजनों में भी इस निदेशालय की सक्रिय भागीदारी रहती है। विश्वविद्यालय के एक महत्वपूर्ण अंग के रूप में यह निदेशालय प्रसार शिक्षा कार्यक्रमों के दिशा–निर्देश, निगरानी और मूल्यांकन जैसे कार्य करता है। राजुवास का प्रसार शिक्षा निदेशालय वैज्ञानिक प्रशिक्षण, सलाहकारी सेवाएं और संचार जैसे तीन प्रमुख क्षेत्रों में कार्य कर रहा है।

विश्वविद्यालय द्वारा पशुपालकों तक नवीनतम शोध की जानकारी पहुंचाने हेतु उनकी समस्याओं के समाधान हेतु राज्य के 14 जिलों में पशु विज्ञान केन्द्रों की स्थापना की गई है। ये पशु विज्ञान केन्द्र बाकलिया (नागौर), सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर), रतनगढ़ (चूरू), कुम्हेर (भरतपुर), कोटा, सिरोही, डूंगरपुर, अविकानगर (टोंक), धौलपुर, बौजूंदा (चितौड़गढ़), लूणकरणसर (बीकानेर), जोधपुर, झुंझुनूं तथा जोबनेर (जयपुर) एवं एक कृषि विज्ञान केन्द्र, नोहर (हनुमानगढ़) में स्थापित किये गए है। प्रसार शिक्षा निदेशालय एवं पशु विज्ञान केन्द्रों के द्वारा पशुकल्याण सेवाओं के अन्तर्गत विभिन्न प्रसार गतिविधियों के तहत 1044 पशुपालक प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर इस वर्ष में कुल 35319 पशुपालकों को लाभांवित किया है।

fiNy rhu Ok"kk dk i'k foKku dUnk dk ryukRed fooj.k

	2019–20	2020–21	2021–22
पशु विज्ञान केन्द्रों की संख्या	14	15	16
प्रशिक्षण कार्यक्रम	1144	858	1044
प्रशिक्षण लाभार्थी	49970	18051	35319

vkuykbu if'k{k.k dk;Øe

कोराना माहमारी के दौरान विश्वविद्यालय ने अभिनव नवाचार करते हुए किसानों एवं पशुपालकों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर प्रारम्भ किये। इस वर्ष राज्य के विभिन्न जिलों में स्थित पशु विज्ञान केन्द्रों एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, नोहर (हनुमानगढ़) द्वारा अब तक 880 ऑनलाईन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये जिससे 21503 पशुपालक एंव कृषकों को लाभान्वित किया गया है। इससे पूर्व वर्ष 2020–21 में 368 ऑनलाईन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये थे, जिससे 6851 पशुपालक एंव कृषक लाभान्वित हुए।

vulfpr tkfr&mi;ktuk d vUrxr nkfnolh; dk'ky if'k{k.k dk;Øe

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली की अनुसूचित जाति–उपयोजना के अन्तर्गत किसानों एवं पशुपालकों के लिए प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा ''उन्नत बकरी पालन एवं प्रबंधन'' और ''बैकयार्ड मुर्गीपालन एवं प्रबंधन'' विषयों पर दो दिवसीय कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम विश्वविद्यालय के विभिन्न जिलो में स्थित पशु विज्ञान केन्द्रों पर आयोजित किये गये है। इस योजना के अन्तर्गत 31 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर लगभग 930 अनुसूचित जाति–जनजाति के पशुपालकों एवं कृषकों को

लाभान्वित किया गया। वर्ष 2020—21 में 65 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर लगभग 2019 अनुसूचित जाति—जनजाति के पशुपालकों एवं कृषक लाभान्वित हुए।

Ñf"k ik|kfxdh ic/ku vfHkdj.k ¼vkRek½ d vUrxr if'k{k.k dk;Øe

कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा) के अन्तर्गत किसानों एवं पशुपालकों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम विश्वविद्यालय के विभिन्न जिलों में स्थित पशु विज्ञान केन्द्रों पर आयोजित किये जा रहे है। इस वर्ष 100 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर लगभग 3148 पशुपालकों एवं कृषकों को लाभान्वित किया गया।

vkuykbu dk'ky fodkl if'k{k.k f'kfoj vfHk;ku

कौशल विकास केन्द्र का शिलान्यास दिनांक 28 अक्टूबर, 2020 को किया गया था। राज्य के विभिन्न जिलों में स्थित पशु विज्ञान केन्द्रों द्वारा कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर अभियान को एक श्रृंखलाबद्ध तरीके से चलाया गया जिससे कि पशुपालक अपना कौशल विकास कर स्वरोजगार के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ा सकें। इस अभियान में विभिन्न वैज्ञानिकों और विषय विशेषज्ञो द्वारा ऑनलाइन माध्यम से पशुपालकों के लिए पांच दिवसीय निःशुल्क पशुपालक प्रशिक्षण आयोजित किये गये जिसमें महिलाओं की भागीदारी भी सुनिश्चित करने व प्रशिक्षण में मार्केटिंग, बैंक व पशुपालन से संबंधित उद्योगो को भी सम्मिलित करने पर बल दिया गया। इस अभियान के अन्तर्गत 11 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर लगभग 923 पशुपालकों एवं कृषकों को लाभान्वित किया गया।

i'kikyu d {k= e i d t v,Q çfDVl dk fodkl

प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा पशुपालन से संबन्धित विशिष्ट विषयों जैसे पशु पोषण, प्रजनन और स्वास्थ्य पर उन्नत पशुपालन विधियों के तीन पैकेज ऑफ प्रैक्टिस विकसित कर प्रकाशित किये गये हैं। इन पैकेज ऑफ प्रैक्टिस में पशुपालकों के लिए उन्नत विधियों के समूह को सरल भाषा में लिखने का प्रयास किया गया है ताकि पशुपालक पारम्परिक ज्ञान के साथ—साथ वैज्ञानिक विधि की भी जानकारी रखें एवं उसका उपयोग करें।

fdlku ,o i'kikyd eys dk vk;ktu

वेटरनरी विश्वविध्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा 24 दिसंबर, 2021 को विश्वविद्यालय परिसर में किसान और पशुपालक मेले का आयोजन किया गया। माननीय कैबिनेट मंत्री, आपदा प्रबंधन एवं सहायता विभाग, राजस्थान सरकार, श्री गोविन्द राम मेघवाल, मेले के मुख्य अतिथि थे। मेले में 43 प्रदर्शनी स्टॉल में पशुपालन, कृषि, आई.सी.ए.आर. के 5 अनुसंधान संस्थानों सहित लाइन विभागों द्वारा कृषि और उन्नत पशुपालन तकनीकों के मॉडल, फ्लैक्स और प्रचार—प्रसार सामग्री का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनी स्टॉल में वेटरनरी विश्वविद्यालय के 15 विभिन्न विभागों द्वारा पशुपालन की तकनीकों, पोल्ट्री की प्रजातियों का सजीव प्रदर्शन किया गया। राज्य के पशुपालक, कृषि विभाग, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग, उरमूल डेयरी, इफ्को, नाबार्ड, केन्द्रीय शुष्क बागवानी, भेड़ एवं ऊन अनुसंधान, उष्ट्र एवं अश्व अनुसंधान संस्थान, केन्द्रीय अर्द्ध शुष्क अनुसंधान संस्थान, टिड्डी विभाग, कृषि विश्वविद्यालय, मोदी डेयरी आदि ने अपने उत्पादों को प्रदर्शित किया। पदेन परियोजना निदेशक आत्मा के सहयोग से बीकानेर के 9 ब्लॉक के किसानों ने मेले में शिरकत की। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा एक फोल्डर ''प्रसार शिक्षा में राजुवास के बढ़ते कदम'' और प्रशिक्षण संदर्शिका ''उन्नत बकरी पालन एवं प्रबंधन'' का विमोचन भी किया गया। इस मेले का विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर सीधा प्रसारण किया गया, जिसे हजारों किसानों और पशुपालकों ने घर बैठे देखा और सुना।

वर्ष 2019—20 में चार किसान व पशुपालक मेलों का आयोजन किया गया था। कोविड—19 के कारण वर्ष 2020—21 में राज्य सरकार के आदेशानुसार महामारी को देखते हुए किसी भी मेले का आयोजन नही किया गया।

vkuykbu dkfoM&19 tkx:drk vfHk;ku

कोराना माहमारी के दौरान विश्वविद्यालय ने अभिनव नवाचार करते हुए किसानों एवं पशुपालकों के लिए ऑनलाईन कोविड—19 जागरूकता अभियान चलाए। इस वर्ष राज्य के विभिन्न जिलों में स्थित पशु विज्ञान केन्द्रों द्वारा अब तक 176

ऑनलाईन जागरूकता अभियान आयोजित कर 4229 पशुपालक एंव कृषकों को जागरूक किया गया है।

Þjktqokl bZ&i'kqikyd pkSikyÞ

वेटरनरी विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा राज्य के पशुपालकों और किसानों को समर्पित एक डिजीटल मंच "राजुवास ई–पशुपालक चौपाल" का राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 151वीं जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर, 2020 से शुभारम्भ किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य गांव व ढाणी में बैठे पशुपालकों व किसानों को पशु कल्याण, पशु उत्पादन तकनीक व पशुपालन के क्षेत्र में राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी पहुंचाना है। पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान के विभिन्न विषय–विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों द्वारा वार्ताओं का प्रसारण राजुवास ई–पशुपालक चौपाल की श्रृंखला के माध्यम से प्रत्येक माह के द्वितीय व चतुर्थ बुधवार को किया जा रहा है। इस वर्ष 18 राजुवास ई–पशुपालक चौपाल वार्ताओं का प्रसारण कर 41000 किसानों एवं पशुपालकों को लाभान्वित किया गया।

^^/kh.ks jh ckR;ka^^ jsfM;ks dk;ZØe

पशुपालकों और कृषकों के लिए वेटरनरी विश्वविद्यालय द्वारा 10 जनवरी, 2013 से आकाशवाणी से 'धीणे री बात्यां' का प्रसारण शुरू किया गया। यह कार्यक्रम प्रत्येक माह के तृतीय गुरूवार को सांय 5:30 बजे से प्रसारित किया जा रहा है। ''धींणे री बात्यां'' कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पशुचिकित्सा एवं पशुपालन के विशेषज्ञों द्वारा उपयोगी सामयिक वार्ताएं और नवीन तकनीकी और पशुपालन क्षेत्र में आ रहे नवाचारों के बारे में जानकारी दी जाती है। इसका लाभ पूरे राज्य के किसानों व पशुपालकों को मिल रहा है। दिसम्बर, 2021 में इस कार्यक्रम का 362वां प्रसारण किया गया।

fiNys rhu o"kksZa dk ^^/kh.ks jh ckR;ka^^ jsfM;ks dk;ZØe dk rqyukRed fooj.k

	2019–20	2020–21	2021–22
17 आकाशवाणी केन्द्र	264 वां प्रसारण	348 वां प्रसारण	362 वां प्रसारण

OgkV~l,i lewg ds ek/;e ls rduhdh lykgdkjh lsok

राज्य के विभिन्न जिलों में स्थित पशु विज्ञान केन्द्रों द्वारा किसानों एवं पशुपालकों के 97 व्हाट्सएप समूह बनाए गये है, जिससे किसानों एवं पशुपालकों को पशुपालन से संबंधित सलाह दी जाती है। इस समूह से लगभग 15400 से अधिक किसान एवं पशुपालक लाभान्वित हुए। व्हाट्सएप समूह के माध्यम से सलाह देने के साथ–साथ, टेलीफोन परामर्श सेवाएं भी विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जा रही हैं। वर्ष 2020–21 में पशु विज्ञान केन्द्रों द्वारा किसानों एवं पशुपालकों के 91 व्हाट्सएप समूह बनाए गये थे, जिससे लगभग 16300 से अधिक किसान एवं पशुपालक लाभान्वित हुए।

Vksy Ýh gsYiykbu lqfo/kk

विश्वेटरनरी विश्वविद्यालय की महत्वाकांक्षी टोल–फ्री हैल्पलाइन सेवा पर कृषक, पशुपालक और विद्यार्थी किसी भी समय पर वेटरनरी विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों, शिक्षकों अथवा अधिकारियों से बातचीत कर अपनी जिज्ञासा तथा शंकाओं का समाधान प्राप्त कर सकते है। इस वर्ष में लगभग 60453 से अधिक कृषक, पशुपालक और विद्यार्थी इस सेवा के माध्यम से लाभान्वित हो चुके है। यह हैल्पलाइन राज्य के पशुपालकों के लिए पशुचिकित्सा विशेषज्ञों से सम्पर्क कर समस्याओं का निदान करने का प्रमुख जरिया बना है।

fiNys rhu o"kksZa dk Vksy Ýh gsYiykbu lqfo/kkdk rqyukRed fooj.k

	2019–20	2020–21	2021–22
लाभार्थी	134000	45000	60453

i'k| foKku dUnk ij Ik'k jkx funku lok,| ikjEHk

विश्वविद्यालय के विभिन्न जिलों में स्थित पशु विज्ञान केन्द्रों पर प्रारम्भिक तौर पर रोग निदान सेवाएं प्रारम्भ कर दी गई है, साथ ही इसे और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। इस वर्ष राज्य के विभिन्न जिलों में स्थित पशु विज्ञान केन्द्रों द्वारा 1014 दूध, रक्त, मूत्र, त्वचा एवं गोबर आदि के नमूनों की जांच कर पशुपालकों को पशुरोगों के प्रति जागरूक किया गया है।

fiNy rhu 0k"kk dk Vky Ýh gYiykbu lfo/kkdk rqyukRed fooj.k

	2019—20	2020—21	2021—22
दूध, रक्त, मूत्र, त्वचा एवं गोबर आदि के नमूनों की जांच	1194	1588	1014

ekfld if=dk ^^i'kikyu u, vk;ke** dk idk'ku

विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रतिमाह एक मासिक पत्रिका ''पशुपालन नए आयाम'' का प्रकाशन किया जा रहा है। इस पत्रिका में पशुपालकों को पशुपालन उपयोगी तकनीकी और वैज्ञानिक जानकारी, पशु रोगों और उनके उपचार के साथ–साथ पौष्टिक आहार, प्रजनन और पशु प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी जाती है। प्रतिमाह पत्रिका को पशुपालकों एवं किसानों को निःशुल्क उपलब्ध कराया जाता है। समय–समय पर अन्य प्रकाशन जैसे फोल्डर, बुकलेट, लिफलेट इत्यादि भी प्रकाशित किये जाते है। ये सभी प्रकाशन विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

ikp i'k foKku dUæk dk ykdki.k

राजस्थान के माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र एवं माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत द्वारा 10 जून 2021 को राज्य स्तरीय ऑनलाइन समारोह में प्रसार शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत राज्य के पांच जिलों जोधपुर, टोंक, झुंझुनूं, चूरू तथा डूंगरपुर में स्थित पशु विज्ञान केन्द्रों के भवनों का लोकार्पण किया।

tkcuj e fo'ofo|ky; dk u, i'k foKku dUn dk 'kHkkjEHk

राज्य सरकार ने वर्ष 2021—22 की बजट घोषणा के तहत वेटरनरी विश्वविद्यालय के अन्तर्गत जोबनेर में नये पशु विज्ञान केन्द्र की स्थापना की गई। केन्द्र की स्थापना व क्रियान्विति हेतु कुल 6 पदों की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति राज्य सरकार द्वारा जारी की जा चुकी है। राज्य सरकार द्वारा केन्द्र के भवन निर्माण के लिए ग्राम पंचायत बस्सी नागा में 10 बीघा जमीन का निःशुल्क आंवटन भी कर दिया गया है। वैकल्पिक रूप से पशु विज्ञान केन्द्र को ग्राम पंचायत बस्सी नागा (जोबनेर) के किसान सेवा केन्द्र में एक सहायक प्राध्यापक को प्रभारी अधिकारी का अतिरिक्त चार्ज देकर 01 जुलाई, 2021 से प्रारम्भ कर दिया गया है।

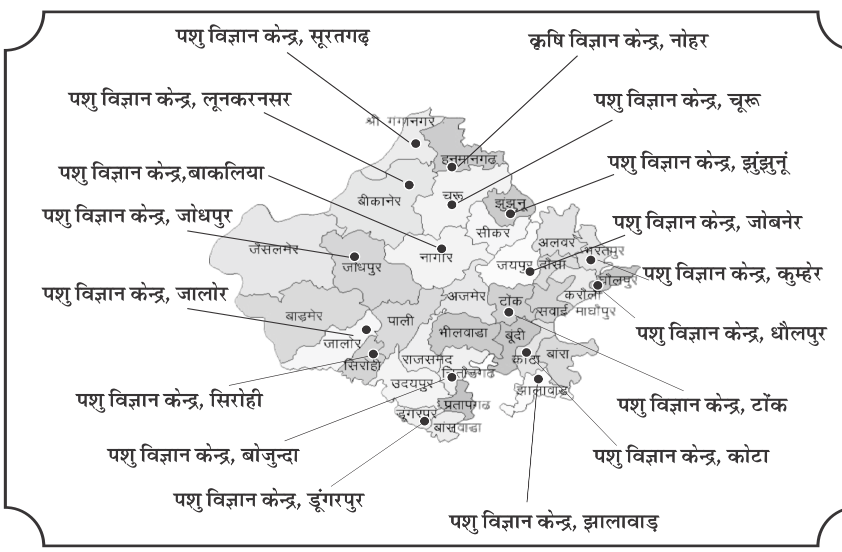

4. आलौच्य वर्ष में विशेष पहल एवं उपलब्धियां :-

chdkuj esa M;jh foKku ,oa Áks|kfxdh egkfo|ky; 'kq:

राज्य सरकार की वर्ष 2021–22 की बजट घोषणा के तहत वेटरनरी विश्वविद्यालय के अन्तर्गत बीकानेर में डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की स्थापना की गई। राजस्थान सरकार द्वारा महाविद्यालय संचालन हेतु शैक्षणिक/अशैक्षणिक के कुल 28 पदों का सृजन कर दिया गया है। प्रथम वर्ष में विधार्थियों के प्रवेश के साथ महाविधालय की शैक्षणिक गतिविधियां प्रारम्भ कर दी गयी है।

cLlh ¼t;iqj½ esa M;jh o [kk| Áks|kfxdh egkfo|ky; 'kq:

राज्य सरकार की वर्ष 2021–22 की बजट घोषणा के तहत वेटरनरी विश्वविद्यालय के अन्तर्गत बस्सी (जयपुर) में डेयरी व खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की स्थापना की गई। राजस्थान सरकार द्वारा महाविद्यालय संचालन हेतु शैक्षणिक/अशैक्षणिक के कुल 48 पदों का सृजन कर दिया गया है। प्रथम वर्ष में विद्यार्थियों के प्रवेश के साथ महाविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियां प्रारम्भ कर दी गयी है।

ukok¡ ¼ukxkSj½ esa i'kqfpfdRlk ,oa i'kq foKku egkfo|ky; dh LFkkiuk dh LohÑfr

राज्य सरकार ने वर्ष 2021–22 की बजट घोषणा के तहत वेटरनरी विश्वविद्यालय के अन्तर्गत नावां जिला नागौर में पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय की स्थापना की स्वीकृति प्रदान की गई। राज्य सरकार द्वारा महाविद्यालय के लिए 30 एकड़ भूमि का निःशुल्क आंवटन किया जा चुका है तथा 41 पदो की प्रशासनिक एवं वित्तिय स्वीकृति जारी की जा चुकी है।

tkscusj esa u;k i'kq foKku dsUnz 'kq:

राज्य सरकार की वर्ष 2021–22 की बजट घोषणा के तहत वेटरनरी विश्वविद्यालय के अन्तर्गत जोबनेर में नये पशु विज्ञान केन्द्र की स्थापना की गई। केन्द्र की स्थापना की क्रियान्विति हेतु कुल 6 पद एवं प्रावधान की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति राज्य सरकार द्वारा जारी की जा चुकी है। राज्य सरकार द्वारा केन्द्र के भवन निर्माण के लिए ग्राम पंचायत बस्सी नागा में 10 बीघा जमीन का निःशुल्क आंवटन भी कर दिया गया है। वैकल्पिक रूप से पशु विज्ञान केन्द्र को ग्राम पंचायत बस्सी नागा (जोबनेर) के किसान सेवा केन्द्र में एक सहायक प्राध्यापक को जोबनेर पशु विज्ञान केन्द्र के प्रभारी अधिकारी का अतिरिक्त चार्ज देकर केन्द्र को 01 जुलाई, 2021 से प्रारम्भ कर दिया गया है।

osVjujh d‚ysat tks/kiqj dk f'kykU;kl ,oa ikap i'kq foKku dsUæksa ds Hkouksa dk yksdkiZ.k

राजस्थान के राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र एवं माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने राज्य स्तरीय ऑनलाइन समारोह में वेटरनरी विश्वविद्यालय के संघटक पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय जोधपुर के भवन की आधारशिला रखी एवं पांच अन्य जिलों जोधपुर, टोंक, झुंझुनूं, चूरू तथा डूंगरपुर में स्थित पशु विज्ञान केन्द्रों के भवनों का लोकार्पण किया।

prqFkZ nh{kkar lekjksg dk gqvk vk;kstu

वेटरनरी विश्वविद्यालय का चतुर्थ दीक्षांत समारोह राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र की अध्यक्षता में 25 फरवरी 2021 को ऑनआइन आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह में वर्ष 2018–19 व 2019–20 सत्र के लिए स्नातक योग्यता प्राप्त कर लेने वाले 557 छात्र–छात्राओं को उपाधियां, स्नातकोत्तर स्तर के 158 को उपाधियां तथा 41 को विद्यावाचस्पति उपाधियां प्रदान की गई। 25 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदकों से और स्नातकोत्तर शिक्षा में सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर दो विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से अलंकृत किया गया।

opqZvy Dykl:e ,oa ,xzh nh{kk osc pSuy dk yksdkiZ.k

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर द्वारा 16 अप्रेल 2021 को ऑनलाइन समारोह में वेटरनरी विश्वविद्यालय के वर्चुअल क्लासरूम एवं एग्री दीक्षा वेब एजूकेशन चैनल का लोकार्पण किया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा व इण्डियन एग्रीकल्चर स्टेटिक्स रिसर्च इंस्टीट्यूट की केन्द्रीयकृत परियोजना के अन्तर्गत

देश के श्रेष्ठ चुनिंदा विश्वविद्यालयों में वेटरनरी विश्वविद्यालय बीकानेर को भी शामिल किया गया है। सूचना एवं संचार की आधुनिकतम तकनीक पर आधारित इस वर्चुअल क्लॉस रूम के माध्यम से ऑनलाइन वीडियो लैक्चर लेकर उनका अखिल भारतीय स्तर पर वेबकास्ट किया जाता है। इससे पूरे भारत वर्ष के विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे है।

f'k{kk] vu|l/kku vkj Álkj e lgHkkfxrk d fy, N% lLFkkuk l djkj

वेटरनरी विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2021 में छः संस्थानों उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान, मथुरा, केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, मकदुम, (मथुरा), राष्ट्रीय पशु आनुवांशिक संसाधन ब्यूरो, करनाल, नानाजी देशमुख वेटरनरी विश्वविद्यालय, जबलपुर, राजस्थान गोसेवा परिषद्, बीकानेर और आईसीआईसीआई फाउंडेशन, मुम्बई से आपसी सहयोग और साझा अनुसंधान के लिए आपसी करार (एम.ओ.यू.) किए गये।

mUur nX/k ijh{k.k o vu|l/kku Á;kx'kkyk dk ,u-,-ch-,y- l ekU;rk Ánr

वेटरनरी विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान जयपुर स्थित उन्नत दुग्ध परीक्षण व अनुसंधान प्रयोगशाला (सेन्टर ऑफ एक्सिलेस ऑन मिल्क क्वालिटी एण्ड सेफ्टी) को प्रयोगशालाओं के परीक्षण उपयुक्तता एवं गुणवता प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यापन बोर्ड (एन.ए.बी.एल.) नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्रदत की गई है।

i'k/ku vu|l/kku dUnk ij n'kh xko'k e lQy Hk.k ÁR;kjki.k

वेटरनरी विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एन.डी.डी.बी.) के सहयोग से विश्वविद्यालय के पशुधन अनुसंधान केन्द्रों पर देशी गौ वंशो में भ्रूण प्रत्यारोपण (ई.टी.टी.) कार्यक्रम प्रारम्भ किया। इस क्रम में सफलता के रूप में पी.जी.आई.वी.ई.आर. जयपुर के पशुधन फार्म संकुल में 10 देशी नस्ल की गायों में सफलतापूर्वक भ्रूण प्रत्यारोपण किया गया।

oVjujh fo'ofo|ky; dk feyk ftyk xhu pfi;u iqjLdkj

भारत सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद का 'जिला ग्रीन चैंपियन पुरस्कार' राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय को प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय को स्वच्छता एक्शन प्लान के अंतर्गत समितियों के गठन और सैनिटेशन, हाइजीन, वेस्ट मैनेजमेंट, वाटर मैनेजमेंट, एनर्जी मैनेजमेंट और ग्रीनरी मैनेजमेंट में उत्कृष्ट कार्य के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया गया है।

vkuykbu ,M&vku lfVfQdV ikB;Øe 'kq:

वेटरनरी विश्वविद्यालय में मानव संसाधन विकास, निदेशालय के अर्न्तगत फील्ड वेटनेरियन एवं पशुचिकित्सकों के लिए विभिन्न ऑनलाइन एड़–ओन सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम के तहत नवाचार की शुरूआत की है। वेटरनरी स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. छात्रों के लिए पशुचिकित्सा के विशेष क्षेत्रों में ज्ञान एवं कौशल विकास हेतु नियमित पाठ्यक्रमों के साथ–साथ एड़ ओन सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों की शुरूआत की गई है।

dfj;j ,MokleUV Ldhe d rgr 113 f'k{kdk dh inkUurh

केरियर एडवांसमेन्ट स्कीम के तहत 100 सहायक प्रोफेसर को वरिष्ठ सहायक प्रोफेसर के पदों पर, एक सहायक प्रोफेसर को सह प्रोफेसर के पद पर तथा 12 सह प्रोफेसर को प्रोफेसर के पदो पर पदौन्नत किया गया है।

jk"Vh; o vUrjk"Vh; oKkfud lEeyu ,o ofcukjk dk vk;ktu

इस वर्ष वेटरनरी विश्वविद्यालय द्वारा दो अर्न्तराष्ट्रीय वेबिनार, नौ राष्ट्रीय वेबिनार, तीन कार्यशाला और एक अर्न्तराष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

इण्डियन ऐसोसिएशन ऑफ वेटरनरी पैथोलॉजिस्ट की ''पशुओं, वन्यजीवो एवं पोल्ट्री में उभरती बीमारियों के निदान व नियंत्रण हेतु वेटरनरी पैथोलॉजी में प्रगति '' विषय पर तीन दिवसीय 38वीं अर्न्तराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन 17–19 दिसम्बर 2021 को वेटरनरी महाविद्यालय, बीकानेर में हुआ। इस कॉन्फ्रेंस में देश विदेश के वैज्ञानिको ने 9 लीड़ पेपर, 148 शोध पत्रो का वाचन एवं 150 पोस्टर प्रस्तुत किये गए।

oVjujh fo'ofo|ky; dk fotu 2030 MkD;eV gvk tkjh

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर द्वारा राजुवास विजन 2030 डॉक्यूमेंट तैयार किया गया। इस विजन डाक्यूमेंट 2030 में आगामी दस वर्षो में किए जाने वाले शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार गतिविधियों का विस्तृत रोडमैप दर्शाया गया है। विजन डाक्यूमेंट–2030 विश्वविद्यालय के अतीत में किए कार्यों के व्यापक मूल्यांकन के साथ भावी चुनौतियों को दृष्टिगत रखते हुए तैयार किया गया है। जिसमें विश्वविद्यालय के उद्देश्य, सतत् विकास, शिक्षा, प्रसार एवं शोध हेतु कार्यनीति, मानव संसाधन विकास, वित्तीय सुद्दढ़ीकरण, उत्कृष्ट पशु स्वास्थ्य सेवाओं एवं पशु कल्याण के मुख्य विषयों को सम्मिलित किया गया है।

LukrdkŸkj v/;;u fu;eu 2021 fØ;kfUor

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर के अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर अध्ययन द्वारा स्नातकोत्तर अध्ययन नियमन 2021 का संकलन कर क्रियानिवत किया गया। इस प्रकाशन में स्नात्कोत्तर शिक्षा अध्ययन सम्बन्धित प्रभावी नियम और कानून शामिल है।

'k{kf.kd ldk; o fo|kfFk;k }kjk miyfC/k;k

- विश्वविद्यालय द्वारा कुल 204 शोध पत्र प्रकाशित किये गये है।
- विश्वविद्यालय की 77 शैक्षणिक संकाय सदस्य ने राष्ट्रीय अन्तराष्ट्रीय स्तर पर 106 कॉन्फ्रेस/सेमिनार/वर्कशॉप में हिस्सा लिया।
- विश्वविद्यालय के 81 छात्रो द्वारा इस वर्ष ICAR-ASRB द्वारा आयोजित नेट पात्रता परीक्षा उत्तीण की गई। जिसमें पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर के 59 छात्र, पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियां (उदयपुर) के 11 छात्र एवं स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, जयपुर के 11 छात्र नेट पात्रता प्राप्त की।
- स्नातकोत्तर अध्यन के लिए अखिल भारतीय स्तर पर वेटरनरी विश्वविद्यालय के 48 विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की। जिसमें पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर के 19 छात्र, पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियां (उदयपुर) के 13 छात्र एवं स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, जयपुर के 16 छात्रों ने देश के विभिन्न वेटरनरी महाविद्यलयों में प्रवेश लिया। इसके अतिरिक्त विद्या वाचस्पति पाठ्यक्रम में बीकानेर वेटरनरी महाविद्यालय के पाँच छात्रों ने सफलता प्राप्त की।

5. सार संक्षेप

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय अधिनियम 2010 की धारा 1 उपखण्ड (3) के अन्तर्गत स्थापित हुआ। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति स्वयं माननीय राज्यपाल है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना दिनांक 13 मई, 2010 को की गई।

वेटरनरी विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों बीकानेर, नवानियाँ (उदयपुर) एवं पी.जी.आई.वी.ई. आर., जयपुर में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्या–वाचस्पति पाठ्यक्रम चलाये जा रहे हैं। स्नातक पाठ्यक्रम हेतु 240 सीटें, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में 18 विषयों हेतु 107 सीटें एवं विद्या–वाचस्पति पाठ्यक्रम 12 विषयों हेतु 35 सीटें उपलब्ध है। विश्वविद्यालय द्वारा पशुपालन में दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदेश के 81 शिक्षण केंद्रों पर चलया जा रहा है, जिसमें 4750 पैरावेट के प्रशिक्षण की क्षमता हैं। विश्वविद्यालय के स्वीकृत कुल 1328 (शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक) पदों पर वर्तमान में 127 शैक्षणिक स्टॉफ तथा 206 अशैक्षणिक स्टाफ कार्यरत है। राज्य सरकार ने विश्वविद्यालय में रिक्त चल रहे शैक्षणिक और अशैक्षणिक पदों की भर्ती की प्रक्रिया को मंजूरी प्रदान की है तथा अनुमति अनुसार भर्ती प्रक्रिया प्रारम्भ करने की प्रक्रिया आरम्भ कर दी गई है।

वेटरनरी विश्वविद्यालय के चौथे संघटक वेटरनरी महाविद्यालय, जोधपुर के लिए निर्माण कार्य किया जा रहा है। जिसके लिए राज्य सरकार द्वारा भूमि का आवंटन एवं पदों की स्वीकृति पूर्व में ही जारी की जा चुकी है। इस वर्ष राजस्थान के राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने राज्य स्तरीय ऑनलाइन समारोह में वेटरनरी विश्वविद्यालय के संघटक पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय जोधपुर के भवन की आधारशिला रखी। राज्य सरकार ने नांवा (नागौर) में वेटरनरी विश्वविद्यालय के पांचवे नए संघटक पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय की स्थापना की क्रियान्विति हेतु पद एवं बजट प्रावधान की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है।

राज्य सरकार की वर्ष 2021–22 की बजट घोषणा के तहत वेटरनरी विश्वविद्यालय के अन्तर्गत डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बीकानेर के संचालन हेतु शैक्षणिक/अशैक्षणिक के कुल 28 पदों तथा बस्सी (जयपुर) में डेयरी व खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय संचालन हेतु शैक्षणिक/अशैक्षणिक के कुल 48 पदों का सृजन कर दिया गया है। वेटरनरी विश्वविद्यालय के अंतर्गत बीकानेर परिसर में डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय और बस्सी, जयपुर में डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय शैक्षणिक सत्र 2021–22 हेतु संघटक महाविद्यालय के रूप में प्रारंभ हो गये है। इन दोनो महाविद्यालयों में स्नातक पाठ्यक्रम हेतु 40–40 सीटें उपलब्ध है। इनमें महाविद्यलयों में प्रवेश उपरान्त शिक्षण कार्य प्रारम्भ हो चुका है।

विश्वविद्यालय द्वारा कुल 204 शोध पत्र प्रकाशित किये गये है। विश्वविद्यालय के 81 छात्रो द्वारा इस वर्ष ICAR-ASRB द्वारा आयोजित नेट पात्रता परीक्षा उर्त्तीण की गई। स्नातकोत्तर अध्यन के लिए अखिल भारतीय स्तर पर वेटरनरी विश्वविद्यालय के 48 विद्यार्थियों ने देश के विभिन्न वेटरनरी महाविद्यलयों में प्रवेश लिया। इसके अतिरिक्त विद्या वाचस्पति पाठ्यक्रम में बीकानेर वेटरनरी महाविद्यालय के पाँच छात्रों ने सफलता प्राप्त की।

विश्वविद्यालय के अन्तर्गत 9 पशुधन अनुसंधान केन्द्र है, जिनमें पशुधन अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर, बीछवाल (बीकानेर), कोडमदेसर (बीकानेर), चांदन (जैसलमेर), नोहर (हनुमानगढ़), नवानियाँ, वल्लभनगर (उदयपुर), बोजुन्दा (चित्तौड़गढ), डग (झालावाड़) एवं सरमथुरा धौलपुर में स्थापित है। इन अनुसंधान केन्द्रो के माध्यम से राज्य की छः देशी गौवंश नस्लें राठी, थारपारकर, गिर, साहीवाल, मालवी और कांकरेज के विकास और संवर्द्धन का कार्य किया जा रहा है। राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर में इस वर्ष सात राष्ट्रीय कृषि विकास परियोजनाएं, दस राज्य पोषित अनुसन्धान परियोजनाएं, एवं पांच भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद द्वारा वित्त पोषित परियोजनाएं संचालित की जा रही है।

इसके साथ ही पशुधन केंद्रो पर भुमि व पशुओं के जैविक प्रमाणीकरण का कार्य किया जा रहा है। पशुधन अनुसंधान केंद्रो को आत्मनिर्भर बनाने हेतु पशु आहार एवं खनिज मिश्रण उत्पादन व वितरण का कार्य किया जा रहा है।

पशुधन अनुसंधान केन्द्रों के माध्यम से हैरिटेज जीन बैंक की अवधारणा के तहत पशुपालकों व गौशालाओं को स्वदेशी गौवंश प्रजनन के लिए उन्नत किस्म के बछड़े और सांड उपलब्ध करवाये जा रहे हैं। राजुवास द्वारा अब तक 2800 से भी अधिक श्रेष्ठतम नस्ल के बछड़े व सांड उपलब्ध करवाए गए हैं। इससे गौशालाओं और पशुपालकों के यहां स्वदेशी गौवंश की संख्या में बढ़ोतरी के साथ हैरिटेज जीन बैंक की अवधारणा को मूर्त रूप मिल रहा है। इन अनुसंधान केन्द्रों पर देशी गौवंश के अलावा भैंस, भेड़, बकरी के संवर्द्धन व उन्नयन तथा पशुधन चारा उत्पादन के कार्य किए जा रहे हैं।

प्रसार शिक्षा निदेशालय अपने विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से पशुपालक समुदाय को नवीन तकनीकों व प्रचार–प्रसार सेवाओं को गांव–ढांणी तक पहुंचाकर पशुधन कल्याण व विकास के महत्ती कार्य में जुटा हुआ है। विश्वविद्यालय द्वारा पशुपालकों तक नवीनतम शोध की जानकारी पहुंचाने हेतु उनकी समस्याओं के समाधान हेतु राज्य के 14 जिलों में पशु विज्ञान केन्द्र स्थापित है। ये पशु विज्ञान केन्द्र बाकलिया (नागौर), सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर), रतनगढ़ (चूरू), कुम्हेर (भरतपुर), कोटा, सिरोही, डूंगरपुर, अविकानगर (टोंक), धौलपुर, बौजूंदा (चितौड़गढ़), लूणकरणसर (बीकानेर), जोधपुर, झुंझुनूं तथा जोबनेर (जयपुर) एवं एक मात्र कृषि विज्ञान केन्द्र, नोहर (हनुमानगढ़) में स्थापित है। प्रसार शिक्षा निदेशालय एवं पशु विज्ञान केन्द्रों के द्वारा पशुकल्याण सेवाओं के अन्तर्गत विभिन्न प्रसार गतिविधियों के तहत 1044 पशुपालक प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर इस वर्ष में कुल 35319 पशुपालकों को लाभांवित किया है।

कोराना माहमारी के दौरान विश्वविद्यालय ने अभिनव नवाचार करते हुए किसानों एवं पशुपालकों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर प्रारम्भ किये। इस वर्ष राज्य के विभिन्न जिलों में स्थित पशु विज्ञान केन्द्रों एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, नोहर (हनुमानगढ़) द्वारा अब तक 880 ऑनलाईन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये जिससे 21503 पशुपालक एंव कृषकों को लाभान्वित किया गया है। इसके साथ ही पशुपालको के लिए कोविड़–19 जागरूकता अभियान आयोजित कर 4229 पशुपालक, कृषकों एवं विधार्थियों को जागरूक किया गया है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली की अनुसूचित जाति–उपयोजना के अन्तर्गत किसानों एवं पशुपालकों के दो दिवसीय कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम विश्वविद्यालय के विभिन्न जिलो में स्थित पशु विज्ञान केन्द्रों पर आयोजित किये गये है। इस योजना के अन्तर्गत 31 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर लगभग 930 अनुसूचित जाति–जनजाति के पशुपालकों एवं कृषकों को लाभान्वित किया गया।

कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा) के अन्तर्गत किसानों एवं पशुपालकों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम विश्वविद्यालय के विभिन्न जिलों में स्थित पशु विज्ञान केन्द्रों पर आयोजित किये जा रहे है। इस वर्ष 100 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर लगभग 3148 पशुपालकों एवं कृषकों को लाभान्वित किया गया।

राज्य के विभिन्न जिलों में स्थित पशु विज्ञान केन्द्रों द्वारा कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर अभियान को एक श्रृंखलाबद्ध तरीके से चलाया गया जिससे कि पशुपालक अपना कौशल विकास कर स्वरोजगार के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ा सकें। इस अभियान के अन्तर्गत 11 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर लगभग 923 पशुपालकों एवं कृषकों को लाभान्वित किया गया।

विश्वविद्यालय परिसर में किसान और पशुपालक मेले का आयोजन किया गया। मेले में 43 प्रदर्शनी स्टॉल में पशुपालन, कृषि, आई.सी.ए.आर. के पाँच अनुसंधान संस्थानों सहित लाइन विभागों द्वारा कृषि और उन्नत पशुपालन तकनीकों के मॉडल, फ्लैक्स और प्रचार–प्रसार सामग्री का प्रदर्शन किया गया। पदेन परियोजना निदेशक आत्मा के सहयोग से बीकानेर के नौ ब्लॉक के किसानों ने मेले में शिरकत की। इस मेले का विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर सीधा प्रसारण किया गया, जिसे हजारों किसानों और पशुपालकों ने घर बैठे देखा और सुना।

पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान के विभिन्न विषयों पर विषय–विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों द्वारा वार्ताओं का प्रसारण राजुवास पशुपालकों और किसानों को समर्पित एक डिजीटल मंच ''ई–पशुपालक चौपाल'' की श्रृंखला के माध्यम से प्रत्येक माह के द्वितीय व चतुर्थ बुधवार को किया जा रहा है। इस वर्ष 18 राजुवास ई–पशुपालक चौपाल वार्ताओं का प्रसारण कर 41000 किसानों एवं पशुपालकों को लाभान्वित किया गया। पशुपालकों और कृषकों के लिए वेटरनरी विश्वविद्यालय के द्वारा ''धीणें री बात्यां'' रेडियो कार्यक्रम का प्रसारण राज्य के सभी 17 आकाशवाणी केन्द्रों से प्रत्येक माह के तृतीय गुरूवार को सांय 5:30 बजे से किया जा रहा है। इसका लाभ पूरे राज्य के किसानों व पशुपालकों को मिल रहा है। दिसम्बर, 2021 में इस कार्यक्रम का 362वां प्रसारण किया गया।

राज्य के विभिन्न जिलों में स्थित पशु विज्ञान केन्द्रों द्वारा किसानों एवं पशुपालकों के 97 व्हाट्सएप समूह से लगभग 15400 से अधिक किसान एवं पशुपालक लाभान्वित हुए। वेटरनरी विश्वविद्यालय की महत्वाकांक्षी टोल–फ्री हैल्पलाइन सेवा पर कृषक, पशुपालक और विद्यार्थी किसी भी समय पर वेटरनरी विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों, शिक्षकों अथवा अधिकारियों से बातचीत कर अपनी जिज्ञासा तथा शंकाओं का समाधान प्राप्त कर सकते है। इस वर्ष में लगभग 60453 से अधिक कृषक, पशुपालक और विद्यार्थी इस सेवा के माध्यम से लाभान्वित हो चुके है।

विश्वविद्यालय के विभिन्न जिलों में स्थित पशु विज्ञान केन्द्रों पर प्रारम्भिक तौर पर रोग निदान सेवाएं प्रारम्भ कर दी गई है, साथ ही इसे और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। इस वर्ष राज्य के विभिन्न जिलों में स्थित पशु विज्ञान केन्द्रों द्वारा 1014 दूध, रक्त, मूत्र, त्वचा एवं गोबर आदि के नमूनों की जांच कर पशुपालकों को पशुरोगों के प्रति जागरूक किया गया है।

विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रतिमाह एक मासिक पत्रिका ''पशुपालन नए आयाम'' का प्रकाशन किया जाता है। इस पत्रिका में पशुपालकों को पशुपालन उपयोगी तकनीकी और वैज्ञानिक जानकारी, पशु रोगों और उनके उपचार के साथ–साथ पौष्टिक आहार, प्रजनन और पशु प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी जाती है।

राजस्थान के माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र एवं माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत द्वारा 10 जून 2021 को राज्य स्तरीय ऑनलाइन समारोह में प्रसार शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत राज्य के पांच जिलों जोधपुर, टोंक, झुंझुनूं, चूरू तथा डूंगरपुर में स्थित पशु विज्ञान केन्द्रों के भवनों का लोकार्पण किया।

वेटरनरी विश्वविद्यालय का चतुर्थ दीक्षांत समारोह राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र की अध्यक्षता में 25 फरवरी 2021 को ऑनआइन आयोजित कर 557 स्नातक, 158 स्नातकोत्तर तथा 41 विद्यावाचस्पति छात्र–छात्राओं को उपाधियां प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त 25 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदकों से अलंकृत किया गया।

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर द्वारा 16 अप्रेल 2021 को ऑनलाइन समारोह में वेटरनरी विश्वविद्यालय के वर्चुअल क्लासरूम एवं एग्री दीक्षा वेब एजूकेशन चैनल का लोकार्पण किया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा व इण्डियन एग्रीकल्चर स्टेटिक्स रिसर्च इंस्टीट्यूट की केन्द्रीयकृत परियोजना के अन्तर्गत देश के श्रेष्ठ चुनिंदा विश्वविद्यालयों में वेटरनरी विश्वविद्यालय बीकानेर को भी शामिल किया गया है। इससे पूरे भारत वर्ष के विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे है।

वेटरनरी विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2021 में छः संस्थानों उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान, मथुरा, केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, मकदुम, (मथुरा), राष्ट्रीय पशु आनुवांशिक संसाधन ब्यूरो, करनाल, नानाजी देशमुख वेटरनरी विश्वविद्यालय, जबलपुर, राजस्थान गोसेवा परिषद्, बीकानेर और आईसीआईसीआई फाउंडेशन, मुम्बई से आपसी सहयोग और साझा अनुसंधान के लिए आपसी करार (एम.ओ.यू.) किए गये।

वेटरनरी विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान जयपुर स्थित उन्नत दुग्ध परीक्षण व अनुसंधान प्रयोगशाला (सेन्टर ऑफ एक्सिलेस ऑन मिल्क क्वालिटी एण्ड सेफ्टी) को प्रयोगशालाओं के परीक्षण उपयुक्तता एवं गुणवता प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यापन बोर्ड (एन.ए.बी.एल.) नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्रदत की गई है।

वेटरनरी विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एन.डी.डी.बी.) के सहयोग से विश्वविद्यालय के पशुधन अनुसंधान केन्द्रों पर देशी गौ वंशो में भ्रूण प्रत्यारोपण (ई.टी.टी.) कार्यक्रम प्रारम्भ किया। जयपुर के पशुधन फार्म संकुल में 10 देशी नस्ल की गायों में सफलतापूर्वक भ्रूण प्रत्यारोपण किया गया।

वेटरनरी विश्वविद्यालय के द्वारा फील्ड वेटनेरियन एवं पशुचिकित्सकों के लिए विभिन्न ऑनलाइन एड़–ओन सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम के तहत नवाचार की शुरूआत की है। केरियर एडवांसमेन्ट स्कीम के तहत 100 सहायक प्रोफेसर को वरिष्ठ सहायक प्रोफेसर के पदों पर, एक सहायक प्रोफेसर को सह प्रोफेसर के पद पर तथा 12 सह प्रोफेसर को प्रोफेसर के पदो पर पदौन्नत किया गया है।

इस वर्ष वेटरनरी विश्वविद्यालय द्वारा दो अर्न्तराष्ट्रीय वेबिनार, नौ राष्ट्रीय वेबिनार, तीन कार्यशाला और एक अर्न्तराष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

भारत सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद का 'जिला ग्रीन चैंपियन पुरस्कार' राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय को प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय को स्वच्छता एक्शन प्लान के अंतर्गत समितियों के गठन और सैनिटेशन, हाइजीन, वेस्ट मैनेजमेंट, वाटर मैनेजमेंट, एनर्जी मैनेजमेंट और ग्रीनरी मैनेजमेंट में उत्कृष्ट कार्य के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया गया है।

पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय
बीकानेर

पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय
नवानियां, वल्लभनगर (उदयपुर)

स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान
जयपुर

प्रकाशक

प्राथमिकता, नियंत्रण एवं मूल्यांकन निदेशालय

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय

बीकानेर-334 001 (राजस्थान)

टेलीफोन: 0151-2543419 ईमेल: dpmerajuvas@gmail.com

मुद्रक : जवाहर प्रेस, बीकानेर # 9784911114